www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 78 ■ जशपुर, 07 नवंबर 2026 (शनिवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रूपये

पार्षदों ने जोन कार्यालय में जड़ा ताला

अंदर कैद रहे कर्मचारी, महापौर बोलीं- अधिकारी काम करें

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। रायपुर नगर निगम में अब भाजपा के पार्षदों ने ही अपनी ही सरकार और निगम व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को भाजपा के 6 और कांग्रेस के 1 पार्षद ने मिलकर जोन-8 कार्यालय में तालाबंदी कर दी। पार्षदों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी जोन कमिश्नर और अधिकारी वार्डों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। पार्षदों ने पहले कर्मचारियों को कार्यालय से बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन जब वे बाहर नहीं निकले तो कार्यालय में ताला लगा दिया। इसके बाद कर्मचारी अंदर ही कैदरह गए।

जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह भी पार्षदों के साथ धरने पर बैठ गए। पार्षदों का कहना है कि वार्डों में स्ट्रीट लाइट, पानी और कचरा गाड़ी जैसी बुनियादी सुविधाओं की समस्या बनी हुई है। 6 महीने पहले स्ट्रीट लाइट के लिए राशि देने के बाद भी टेंडर नहीं खुला है। धनतेरस जैसे त्योहार पर भी लोगों को पानी और सफाई की समस्या से जूझना पड़ रहा है। दिपावली के दौरान वार्डों में अंधेरा है।

इधर, प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन भी कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि जब ट्रिपल इंजन की सरकार में भाजपा के पार्षदों को ही अपने काम के लिए धरने पर बैठना पड़ रहा है तो महापौर, जोन अध्यक्ष और एमआईसी को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। वहीं, महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को साफ चेतावनी दी कि भाजपा की सरकार और महापौर होने का मतलब यह नहीं है कि अधिकारी काम नहीं करेंगे। सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी पड़ेगी।



6 महीने पहले राशि दी, अब तक स्ट्रीट लाइट का टेंडर नहीं

जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि अधिकारियों से काम करवाने के लिए अब जनप्रतिनिधियों को अपना तरीका बदलना पड़ रहा है। सातों पार्षद जनता की समस्याओं का समाधान कराने के लिए यहां बैठे हैं। उन्होंने कहा कि धनतेरस के दिन भी उन्हें जोन कार्यालय में धरना देना पड़ रहा है। वे नहीं चाहते कि त्योहार के समय वार्ड के लोगों को परेशान होना पड़े।

उन्होंने बताया कि पार्षद निधि से स्ट्रीट लाइट लगवाने के लिए करीब 6 महीने पहले ही राशि दी जा चुकी है। उम्मीद थी कि दिवाली से पहले वार्डों में लाइट लग जाएगी, लेकिन अब तक टेंडर तक नहीं खुला है। वार्डों में पानी की समस्या भी बनी हुई है। लोग त्योहार के लिए घरों की साफ-सफाई कर रहे हैं, लेकिन कई जगह पानी नहीं पहुंच रहा है। कचरा गाड़ी भी 4 से 5 दिन तक वार्डों में नहीं पहुंच रही है। प्रदर्शन के दौरान ही उनके पास 10 से 20 लोगों के फोन आए, जिन्होंने कचरा गाड़ी नहीं आने की शिकायत की।

अधिकारी भाजपा-कांग्रेस में बांटकर अपनी रोटी सेंक रहे

पूर्व नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस पार्षद संदीप साहू ने कहा कि अधिकारी जनप्रतिनिधियों को भाजपा और कांग्रेस में बांटकर अपना काम निकाल रहे हैं। इसी का फायदा उठाकर वे मनमानी कर रहे हैं। इसलिए आज भाजपा और कांग्रेस के सभी सात पार्षद दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक साथ बैठे हैं।

उन्होंने जोन में कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाया। कहा कि अवैध प्लॉटिंग से लेकर दूसरे कामों में भी कमीशनखोरी हो रही है। अधिकारी आम लोगों की समस्याएं सुनने नहीं पहुंचते, लेकिन अवैध पानी कनेक्शन और वसूली के मामलों में मौके पर पहुंच जाते हैं।

वही पं जवाहर लाल नेहरू वार्ड के पार्षद भगतराम हरवंश ने बताया कि उनके वार्ड की एकता कॉलोनी में पिछले 6 महीने से पानी की व्यवस्था नहीं है। वहीं, पिछले 10 दिनों से वार्ड में गंदा पानी आ रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जनता ने पार्षदों को चुनकर भेजा है, इसलिए उनकी समस्याओं के लिए आवाज उठाना उनकी जिम्मेदारी है। न तक मांग पूरी नहीं होती हमारा प्रदर्शन जारी रहे है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बोले- महापौर, जोन अध्यक्ष और एमआईसी इस्तीफा दें

कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन भी कार्यकर्ताओं के साथ जोन कार्यालय पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन का जायजा लेने के बाद कहा कि यह समझने वाली बात है कि जिन पार्षदों की परिषद में सत्ता है और जिनकी प्रदेश में सरकार है, उन्हें खुद अपने ही जोन कार्यालय में तालाबंदी करनी पड़ रही है।

मेनन ने कहा कि जब जनता के चुने हुए पार्षद ही काम नहीं होने से परेशान हैं तो नगर निगम की व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। महापौर को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। जोन अध्यक्ष और पूरी एमआईसी को भी इस्तीफा दे देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमें लगता था कि चार विधायक अपने-अपने क्षेत्रों के नगर निगम चला रहे हैं। महापौर के पास एक जोन बचा था, लेकिन अब वहां भी उनकी पकड़ दिखाई नहीं दे रही है। अगर काम नहीं हो रहा है तो उन्हें सरकारी बंगला, गाड़ी और पद लेकर बैठे रहने के बजाय पद छोड़ देना चाहिए। और फिर से चुनाव होना चाहिए।

महापौर ने कमिश्नर और अधिकारियों को दी चेतावनी

महापौर मीनल चौबे ने कहा कि इस मामले में लगातार उनके पास फोन आ रहे थे। शुक्रवार को जोन अध्यक्ष प्रीतम ठाकुर ने भी फोन कर बताया था कि बार-बार कहने के बावजूद अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं। मुख्यालय से आयुक्त के निर्देश नहीं मिलने का बहाना बनाकर काम टाला जा रहा है।

महापौर ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी को इस गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए कि महापौर भाजपा की हैं और प्रदेश में भाजपा की सरकार है, इसलिए अधिकारी काम नहीं करेंगे तो भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। चाहे निगम आयुक्त हों, जोन कमिश्नर हों या उनकी पूरी टीम, सभी को गंभीरता और ईमानदारी से काम करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि पार्षदों ने जोन कार्यालय में तालाबंदी की है, यह अधिकारियों के लिए चेतावनी है। अगर काम नहीं होगा तो ऐसी स्थिति फिर बनेगी। काम सभी को करना पड़ेगा और काम करवाना भाजपा के नेताओं को आता है।

जज के खिलाफ FIR करने वाले टीआई लाइन अटैच

बिलासपुर में बर्थ-डे सेलिब्रेशन पर विवाद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। बिलासपुर में महासमुंद फैमिली कोर्ट के जज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना सरकेडा टीआई प्रदीप आर्य को महंगा पड़ गया। इस मामले पर एक्शन लेते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने उन्हें तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया है। हालांकि, आदेश में प्रशासनिक कारणों का उल्लेख है। प्रदीप आर्य की जगह नरेश चौहान को सरकेडा थाने की जिम्मेदारी दी गई है। बता दें प्रापर्टी डीलर के बर्थ-डे सेलिब्रेशन के दौरान जज की पत्नी व परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की गई थी।

दरअसल, कोर्ट के जज के खिलाफ केस दर्ज करने से पहले प्रशासनिक अनुमति के साथ ही हर पहलुओं की जांच करने का प्रावधान है। इस मामले में जज के खिलाफ काउंटर एफआईआर करने के बाद से टीआई के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर चर्चा चल रही थी। लेकिन, इस दौरान एसएसपी रजनेश सिंह अवकाश पर थे। उनके लौटने के बाद एसएसपी रजनेश सिंह ने पुलिस अफसरों से जवाब तलब किया, जिसके बाद टीआई प्रदीप आर्य को लाइन अटैच करने का आदेश जारी किया गया।

जिम्मेदार अफसरों ने झाड़ा पल्ला, टीआई को बनाया मोहरा

बताया जा रहा है कि शनिवार की रात हुए इस विवाद के बाद महासमुंद फैमिली कोर्ट के जज प्रफुल्ल कुमार सोनवानी ने पत्नी व साले के साथ मारपीट करने वाले प्रापर्टी डीलर अभय बरुआ व उसके साथियों के खिलाफ थाने में केस दर्ज कराया। दूसरी तरफ से मामले में अभय बरुआ के दोस्त ने भी थाने में शिकायत कर दी। बताते हैं कि पुलिस अफसरों ने इस मामले में जज के खिलाफ केस दर्ज करने के लिए टीआई प्रदीप आर्य पर दबाव बनाया। लेकिन, काउंटर एफआईआर दर्ज होने के बाद सवाल उठते देख अफसरों ने पल्ला झाड़ लिया और इसके लिए टीआई प्रदीप आर्य को जिम्मेदार ठहरा दिया।



एसएसपी ने टीआई को किया लाइन अटैच

बताते हैं कि जज के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद उच्च न्यायिक अफसरों ने इस लापरवाही माना है। नियम विरूद्ध केस दर्ज करने की चर्चा पुलिस मुख्यालय तक होने लगी। हालांकि, एसएसपी रजनेश सिंह के अवकाश पर होने के कारण मामला दबा रहा। न्यायिक अधिकारियों की नाराजगी दूर करने के लिए उन्होंने यह कार्रवाई की है। हालांकि, जारी आदेश में टीआई प्रदीप आर्य को हटाने के पीछे प्रशासनिक कारणों का हवाला दिया गया है।

हिरासत में मौत के विवादों से घिरे हैं टीआई चौहान

टीआई नरेश चौहान इससे पहले जिले में रतनपुर, सीपत और कोटा जैसे महत्वपूर्ण थानों की कमान संभाल चुके हैं। सीपत थाने में पोस्टिंग के दौरान उनके कार्यकाल में पुलिस अभिरक्षा में युवक की मौत का मामला सामने आया था। ग्राम मोहरा में आबकारी एक्ट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। बाद में उसकी सेंट्रल जेल में मौत हो गई थी। यह मामला हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई की जांच चल रही है। वहीं, मामला सुप्रीम कोर्ट में अभी लंबित है। ऐसे में उन्हें थाने का प्रभार सौंपना सवालों के घेरे में है।

नाबालिग ने बच्चे को दिया जन्म, इलाज के दौरान मौत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले के सन्ना निवासी 15 वर्षीय पहाड़ी कोरवा किशोरी ने बच्चे को जन्म दिया। घर में हुए प्रसव के बाद किशोरी की हालत बिगड़ी तो उसे सन्ना हॉस्पिटल से जशपुर जिला अस्पताल एवं इसके बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में दाखिल किया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, जशपुर जिले के सन्ना ब्लॉक की निवासी विशेष संरक्षित जनजाति की किशोरी 15 वर्ष अन्य लोगों के साथ काम करने के लिए गोरखपुर गई थी। वहां काम करने के दौरान उसका प्रेम संबंध लरिकाकोना निवासी युवक के साथ बन गया था। इस दौरान किशोरी प्रेग्नेंट हो गई।

घर में प्रसव, इलाज के दौरान मौत

किशोरी के प्रेग्नेंट होने के बाद वह वापस घर लौट आई थी। परिजनों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने घर में ही नाबालिग को रखा था। सोमवार को किशोरी ने घर में ही बच्चे को जन्म दिया। बच्चे को जन्म देने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई।



परिजनों ने उसे सन्ना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दाखिल किया। वहां से उसे जशपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जशपुर में भी उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान शुक्रवार को नाबालिग की मौत हो गई। उसके बच्चे की हालत ठीक है। बच्चे को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

एमसीएच के चिकित्सकों के अनुसार प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव से नाबालिग की हालत बिगड़ गई थी। उसका उपचार किया जा रहा था, लेकिन उसकी हालत नहीं सुधरी और उसकी मौत हो गई।

राज्य के तीन शासकीय मेडिकल कालेजों में पीजी की 33 सीटें बढ़ीं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के तीन शासकीय मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातकोत्तर (पीजी) की 33 सीटें बढ़ी हैं। रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर के इन कॉलेजों में पहले कुल 265 सीटें थीं, जो अब बढ़कर 298 हो गई हैं। इससे 33 और डॉक्टरों को प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञता हासिल करने का अवसर मिलेगा।



रायपुर में सबसे ज्यादा 19 सीटें बढ़ीं

6 नवंबर की संशोधित सीट सूची के अनुसार, रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में 19 सीटें जुड़ने से कुल संख्या 146 से बढ़कर 165 हो गई है। बिलासपुर के छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) में 8 सीटें बढ़ी हैं। यहां अब 91 की जगह 99 सीटों पर प्रवेश होगा। जगदलपुर के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में 6 सीटें बढ़ी हैं। यहां अब 28 की जगह 34 सीटें होंगी।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी दूर करने में मिलेगी मदद

पीजी में दाखिला लेने वाले डॉक्टर पढ़ाई के साथ मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों में वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में मरीजों की जांच और उपचार में भाग लेते हैं। सीटें बढ़ने से इन अस्पतालों में मरीजों की देखभाल के लिए अतिरिक्त चिकित्सकीय सहयोग मिलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि "मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार काम कर रही है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पीजी की सीटें बढ़ना इसी प्रयास का परिणाम है। यहां प्रशिक्षित विशेषज्ञ डॉक्टर प्रदेश की सेवा करेंगे और मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने में योगदान देंगे।"



घर में घुसकर बकरा उठा ले गया तेंदुआ, गांव में दहशत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गरियाबंद। जिले के वन परिक्षेत्र पांडुका अंतर्गत ग्राम तौरेंगा में तेंदुए की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गुरुवार तड़के करीब 5 बजे एक तेंदुआ घर के पास देव पूजा के लिए बांधकर रखे गए बकरे को अपना शिकार बनाकर ले गया। तेंदुआ बकरे को दरवाजे के छेद से घसीटते हुए करीब 300 मीटर दूर झाड़ियों में ले गया। सुबह जब परिवार के सदस्य उठे तो घर के मुख्य दरवाजे के पास खून के निशान देखकर उनके होश उड़ गए। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम तौरेंगा पंचायत के वार्ड क्रमांक 6 में रहने वाले भीखम ध्रुव और चुम्मन ध्रुव अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार ने देव पूजा के लिए एक बकरा खरीदा था, जिसे घर के पास खूंटी से बांधकर रखा गया था। गुरुवार तड़के जंगल की ओर से आए तेंदुए ने बकरे पर हमला कर दिया। इसके बाद उसे घसीटते हुए झाड़ियों की ओर ले गया। घटना के समय परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे। सुबह जब परिवार के लोग उठे तो बकरा अपनी जगह पर नहीं मिला। आसपास देखने पर मुख्य दरवाजे के पास खून के निशान दिखाई दिए। इसके बाद दोनों भाइयों ने आसपास तलाश शुरू की।

खून और घसीटे जाने के निशानों का पीछा करते हुए वे घर से लगभग 300 मीटर दूर झाड़ियों तक पहुंचे। वहां तेंदुआ बकरे को खा रहा था। दोनों भाई बकरे के कुछ हिस्से छुड़ाने में सफल रहे। हालांकि, तब तक बकरे की मौत हो चुकी थी। इस घटना से परिवार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि बकरे को विशेष रूप से देव पूजा के लिए खरीदा गया था। अब पूजा के लिए दूसरा बकरा खरीदना पड़ेगा। परिवार ने वन विभाग से उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि धार्मिक आयोजन के लिए दूसरा बकरा खरीदा जा सके।

घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में भी डर का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि तौरेंगा गांव जंगल से लगा हुआ है। इस कारण जंगली जानवरों की आवाजाही बनी रहती है। विशेष रूप से रात और सुबह के समय वन्यजीवों के रिहायशी इलाकों में पहुंचने की आशंका रहती है। तेंदुए द्वारा घर के पास से बकरा उठा ले जाने की घटना ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के आसपास खेतों, बाड़ियों और खलिहानों में बड़ी संख्या में झाड़ियां और खरपतवार उग आए हैं। लंबे समय से साफ-सफाई नहीं होने के कारण कई स्थानों पर घनी झाड़ियां बन गई हैं। ऐसे स्थान जंगली जानवरों के छिपने के लिए अनुकूल हो सकते हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि तेंदुआ दोबारा आबादी वाले क्षेत्र में आ सकता है।

शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य, 5 साल या उससे अधिक सेवा बाकी तो परीक्षा पास करना जरूरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में कार्यरत नियमित शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने स्पष्ट किया है कि कक्षा 1 से 8वीं तक पढ़ाने वाले ऐसे नियमित शिक्षक, जिनकी सेवानिवृत्ति में पांच वर्ष या उससे अधिक का समय शेष है, उन्हें सेवा में बने रहने के लिए निर्धारित समय-सीमा के भीतर टीईटी उत्तीर्ण करना होगा।

इस निर्णय का असर राज्य के हजारों शासकीय शिक्षकों पर पड़ सकता है। विभाग के निर्देशों के अनुसार, संबंधित शिक्षकों को टीईटी पास करने के लिए विशेष अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। निर्धारित समय में परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करने वाले शिक्षकों की सेवा पर भी असर पड़ सकता है।



सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में फैसला

यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट द्वारा सिविल अपील क्रमांक 1385/2025 में 1 सितंबर 2025 को दिए गए आदेश और पुनर्विचार याचिका पर 29 मई 2026 को जारी निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। न्यायालय ने प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों की निर्धारित शैक्षणिक योग्यता को महत्वपूर्ण बताते हुए सेवारत शिक्षकों के लिए भी टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया है। सेवारत गैर-टीईटी उत्तीर्ण शिक्षकों को पर्याप्त अवसर देने के लिए विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके लिए दो व्यवस्थाएं प्रस्तावित की गई हैं। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से नियमित परीक्षाओं से अलग विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। अधिकृत निजी तकनीकी एजेंसी के माध्यम से कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) आयोजित की जाएगी। शिक्षकों की संख्या अधिक होने के कारण परीक्षा कई पालियों में आयोजित की जा सकती है। विभाग ने सभी पालियों के प्रश्नपत्रों का कठिनाई स्तर समान रखने और परीक्षा में सामान्यीकरण की व्यवस्था करने की बात कही है। विशेष परीक्षा साल में कम से कम दो बार आयोजित की जाएगी।

पांच साल से कम सेवा वाले शिक्षकों को राहत

नियमों के मुताबिक, जिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति में पांच वर्ष से कम समय बचा है, उन्हें सेवा में बने रहने के लिए टीईटी उत्तीर्ण करने से छूट मिल सकती है। हालांकि, ऐसे शिक्षक यदि उच्च पदों पर पदोन्नति चाहते हैं तो उन्हें भी टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले शिक्षकों को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की ओर से प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

शिक्षक संगठनों में बढ़ी चिंता

टीईटी की अनिवार्यता को लेकर प्रदेश के शिक्षक संगठनों में चिंता बढ़ गई है। विशेषकर 1998 और उसके बाद नियुक्त वरिष्ठ शिक्षकों के बीच इस फैसले को लेकर असंतोष देखा जा रहा है। कई शिक्षक संगठनों ने इस अनिवार्यता से राहत पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम आवेदन भी दायर किए हैं। शासन के इस फैसले से प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों की सेवा और पदोन्नति की प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता की खुली अनदेखी, डामर की पतली परत से झांकने लगी गिट्टी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 के किनारे सिलफिली बंगालीपारा से चंदौरीडांड तक करीब छह किलोमीटर लंबाई में कराए जा रहे पक्की सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। सड़क निर्माण पूरा होने से पहले ही इसकी बदहाल होती सतह ने निर्माण कार्य में कथित अनियमितता और गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की आशंका पैदा कर दी है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा निर्धारित मानकों को दरकिनार कर बेहद घटिया स्तर का काम कराया जा रहा है, जबकि जिम्मेदार विभागीय अधिकारी इस पूरे मामले में मूकदर्शक बने हुए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क पर डामर का छिड़काव बेहद पतली परत में किया गया है। इसके चलते कई स्थानों पर गिट्टी और डस्ट साफ तौर पर दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं सड़क की सतह पर जगह-जगह दरारें भी उभरने लगी हैं। निर्माण कार्य की शुरुआती अवस्था में ही इस तरह की स्थिति सामने आने से सड़क की मजबूती और टिकाऊपन पर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि जिस सड़क से वर्षों तक आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है, वह यदि निर्माण के दौरान ही



गुणवत्ता की कसौटी पर खरी नहीं उतर रही है तो उसकी उम्र कितनी होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण और गुणवत्ता की जांच नहीं किए जाने का फायदा ठेकेदार उठा रहा है। यदि समय-समय पर निर्माण सामग्री, डामर की मात्रा और निर्धारित तकनीकी मानकों की जांच की जाती तो इस तरह की स्थिति सामने नहीं आती। लोगों का सवाल है कि आखिर निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों पर है, वे मौके पर निगरानी क्यों नहीं कर रहे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से सड़क निर्माण की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने, इस्तेमाल किए जा रहे मटेरियल की गुणवत्ता की पड़ताल करने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही काम सुनिश्चित कराने की मांग की है। साथ ही निर्माण में गड़बड़ी पाए जाने पर जिम्मेदार ठेकेदार और निगरानी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग उठाई है। अब देखना यह है कि ग्रामीणों की शिकायत के बाद विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच करते हैं या फिर यह सड़क भी सरकारी निर्माण कार्यों में लापरवाही की एक और मिसाल बनकर रह जाएगी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 858 सूचनाएं प्राप्त, 747 आवेदन स्वीकृत, संयुक्त सर्वे जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अनंत चक्रवात के प्रभाव से जिले में 28 से 30 अक्टूबर 2026 तक हुई असामयिक वर्षा के कारण कुछ क्षेत्रों में धान की फसल प्रभावित हुई है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा किसानों को समय पर मौसम परिवर्तन की जानकारी दी गई थी तथा वर्षा के पश्चात प्रभावित किसानों के प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत आवेदन दर्ज कराए गए। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने बताया कि जिला प्रशासन प्रभावित किसानों के सहयोग के लिए तत्पर है तथा पात्र किसानों को योजना के प्रावधानों के अनुरूप लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फसल क्षति का आंकलन समय-सीमा में एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने फसल क्षति से प्रभावित किसानों से किसान रक्षक टोल फ्री नंबर



14447 पर सूचना दर्ज कराने की अपील की है।

बीमा कंपनी एचडीएफसी एर्गो से प्राप्त 02 नवंबर 2026 की स्थिति के अनुसार जिले से कुल 858 सूचनाएं (इंटिमेशन) प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 747 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। इनमें स्थानीयकृत आपदा के अंतर्गत प्राप्त 299 में से 202 तथा फसल कटाई उपरांत क्षति के अंतर्गत प्राप्त 559 में से 545 आवेदन स्वीकृत हुए हैं। शेष 111 आवेदन राज्य शासन की अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार आपदा का योजना में आच्छादित न होने, विलंब से सूचना अथवा दोहरी सूचना के कारण अस्वीकृत किए गए हैं। कृषि विभाग के मैदानी अमले एवं बीमा कंपनी द्वारा योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार संयुक्त सर्वे किया जा रहा है, जिसके आधार पर क्षतिपूर्ति की आगामी कार्यवाही की जाएगी।

महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय अवार्ड के लिए विजयराज चयनित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। समाज सेवी विजयराज अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों, मानव कल्याण और समाज सेवा के क्षेत्र में उललेखनीय योगदान के लिए इस वर्ष के महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड के लिए चुना गया है। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन द्वारा उनके नाम की आधिकारिक घोषणा किए जाने के बाद से शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। यह गौरवशाली पुरुस्कार आगामी दिनों 14



नवंबर को अंम्बेडकर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर जनपथ नई दिल्ली में आयोजित होने वाले एक राष्ट्रीय समारोह में प्रदान किया जाएगा। ज्ञात हो कि विजयराज अग्रवाल लंबे समय तक समाज के वंचित वर्गों के उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिये निरंतर सक्रिय रहे है। उनके इसी सेवा भाव को देखते हुए संगठन की उच्च स्तरीय समिति ने सर्वसम्मति से उन्हें इस सम्मान के लिए चुना है।

स्वच्छता पखवाड़ा अभियान में सफाईकर्मी व विद्यार्थी सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्रीय मुख्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा विशेष अभियान 6.0 का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह तथा विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक संचालन अतुल एसबी सिंह रहे। समारोह में स्वच्छता अभियान के दौरान उत्कृष्ट योगदान देने वाले सफाई कर्मचारियों, डीएवी स्कूल के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर



पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में स्टाफ ऑफिसर मानव संसाधन, क्षेत्रीय संयुक्त सलाहकार समिति एवं क्षेत्रीय कल्याण समिति के सदस्य, एसोसिएशन प्रतिनिधि, विभागाध्यक्ष, अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक मानव संसाधन राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने किया।

आमकोना व चंपानगर में जनसंपर्क समस्या निवारण शिविर, ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और 55 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम के तहत शंकरगढ़ विकासखंड के बहुउद्देशीय केंद्र आमकोना एवं कुसमी विकासखंड के चंपानगर में जनसंपर्क समस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए। दोनों शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामवासी पहुंचे और अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

चंपानगर शिविर में राशन कार्ड में नाम जोड़ने के 08 आवेदन तथा पेंशन के 04 आवेदन प्राप्त हुए। साथ ही ग्रामीणों ने सीसी रोड एवं तालाब निर्माण की एक-एक मांग रखी। शिविर में 23 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आमकोना शिविर में नया राशन कार्ड बनाने का 01 आवेदन तथा राशन कार्ड में नाम जोड़ने के 04 आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा वृद्धावस्था पेंशन एवं



हैंडपंप की एक-एक मांग आई और 32 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

बिहान मेले में कलेक्टर बनीं ग्राहक, छिंद की माला पहन दिया 'लोकल अपनाएं' का संदेश

★ छिंद की माला, मिट्टी के दीये और ऊन के फूल, कलेक्टर की खरीदारी से बढ़ा दीदियों का हौसला

★ दीदियों के हुनर से रोशन होगी दीपावली, कलेक्टर व सीईओ ने किया बिहान मेले का निरीक्षण



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला मुख्यालय बलरामपुर स्थितशनि मंदिर के पास आयोजित बिहान मेले में बुधवार को कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एक ग्राहक के रूप में पहुंचीं और महिला स्व-सहायता समूहों के स्टॉल से छिंद की टोकरी व माला, मल्टीग्रेन आटा, मिट्टी के दीये तथा ऊन से बने फूल खरीदकर स्थानीय उत्पादों को अपनाने का संदेश दिया। जिला पंचायत सीईओ श्री आशुतोष चतुर्वेदी के साथ उन्होंने स्टॉलों का निरीक्षण कर दीदियों के हाथों से बने उत्पादों की सराहना की। जंगली पौधे के पत्तों से बनी छिंद की माला पहने कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे उत्पाद ऑनलाइन दो से तीन गुना अधिक दाम पर मिलते हैं, जबकि बिहान मेले में ये कम कीमत पर उपलब्ध हैं और इनकी हर खरीदारी सीधे ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाती है। उन्होंने बताया कि जिले में 52 हजार दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं और विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के जरिए आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अधिक से अधिक स्थानीय उत्पादकों को प्रोत्साहित करने की अपील की। सीईओ श्री चतुर्वेदी ने कहा कि महिलाओं को स्थानीय स्तर पर आर्थिक संबल देना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और बिहान मेला दीदियों को अपने उत्पादों के लिए सीधा बाजार दिलाने का सशक्त माध्यम है।

04 से 07 नवंबर तक चलने वाले इस मेले में डिजाइनर दीये, टेराकोटा कलाकृतियां, हस्तशिल्प, दीपावली साज-सज्जा सामग्री, स्थानीय खाद्य उत्पाद तथा जिले की पहचान चांगरो जीराफूल चावल लोगों को खूब आकर्षित कर रहे हैं।

सरगुजा ओलंपिक : जिला स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ समापन, विजेता खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला प्रशासन बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतियोगिता 2026-27 का आज गरिमामय समापन हुआ। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों और दलों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। 03 से 05 नवम्बर तक सेजेस हिन्दी माध्यम विद्यालय खेल मैदान, इन्डोर हॉल पुलिस लाईन, कृषि विज्ञान केन्द्र जाबर, मिशन स्कूल तथा एकलव्य विद्यालय भेलवाडीह के खेल मैदानों में चली इस प्रतियोगिता में जिले के सभी विकासखण्डों के जूनियर एवं सीनियर वर्ग के बालक-बालिका, महिला और पुरुष खिलाड़ियों ने उत्साह से भाग लिया।

प्रतियोगिता के पहले दिन एथलेटिक्स में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ के जूनियर बालक वर्ग में कुसमी के उमेश ने दोहरी जीत दर्ज की, वहीं सीनियर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में रामचन्द्रपुर के जितेन्द्र और 200 मीटर में बलरामपुर के धीरज सिंह प्रथम रहे। 400 मीटर दौड़ में शंकरगढ़ के कुलदीप तथा



बलरामपुर के सुनील कुमार और निर्मला ने बाजी मारी। शंकरगढ़ के प्रवीण पैकरा ने भाला फेंक और लंबी कूद, दोनों में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कुसमी की मुस्कान तिर्की गोला फेंक और भाला फेंक के सीनियर बालिका वर्ग में अव्वल रहीं। वॉलीबॉल के सीनियर बालक वर्ग में राजपुर तथा सीनियर महिला वर्ग में वाड्रफनगर की टीम विजेता बनी, वहीं रस्साकसी के सीनियर महिला वर्ग में शंकरगढ़ ने जीत हासिल की। बैडमिंटन एकल और युगल मुकाबलों में बलरामपुर के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। दूसरे दिन तीरंदाजी में वाड्रफनगर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 मीटर और 50 मीटर के अधिकांश व्यक्तिगत तथा सभी टीम स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। रागिनी नेताम और सुमन सिंह ने दोनों दूरियों में स्वर्णिम सफ्लता अर्जित की। खो-खो में वाड्रफनगर ने तीन वर्गों में तथा रामचन्द्रपुर ने जूनियर बालिका वर्ग में खिताब जीता। बास्केटबॉल के जूनियर वर्ग में बलरामपुर और सीनियर वर्ग में वाड्रफनगर विजेता रहे। बालिका फुटबॉल के दोनों वर्गों में शंकरगढ़ की टीम ने जीत दर्ज की, वहीं कुश्ती में भी शंकरगढ़ के पहलवानों ने विभिन्न भार वर्गों में अधिकतम पदक अपने नाम किए। कराटे में वाड्रफनगर के खिलाड़ी अधिकांश वर्गों में अव्वल रहे। अंतिम दिन कबड्डी और हॉकी के रोमांचक मुकाबले खेले गए।

समापन अवसर पर अतिथियों ने कहा कि सरगुजा ओलंपिक ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने का सशक्त मंच है। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, निर्णायकगण, प्रशिक्षक और बड़ी संख्या में खिलाड़ी तथा खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

मेरा युवा भारत के स्वयंसेवक ने बच्चों को शिक्षा एवं पोषण के प्रति किया जागरूक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मेरा युवा भारत, बलरामपुर के स्वयंसेवक प्रसंजीत बनिक द्वारा विकासखंड शंकरगढ़ की प्राथमिक शाला बचवार में शिक्षा एवं पोषण आहार पर जागरूकता कार्यक्रम



आयोजित किया गया। इसमें कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा के प्रति रुचि बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया। बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए पेन एवं कॉपी का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार का महत्व बताते हुए हरी सब्जियां, मौसमी फ्ल, दाल व दूध को दैनिक भोजन में शामिल करने की सलाह दी गई तथा समझाया गया कि उचित पोषण शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आवश्यक है। अंत में विद्यार्थियों को स्नैक्स वितरित किए गए।

अवैध महुआ शराब पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, 20 लीटर शराब व 60 किलो लाहन जप्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आबकारी विभाग की टीम ने बलरामपुर वृत्त में 4 नवंबर को



अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 20 बल्क लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब एवं 60 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया। मामले में ग्राम अतोरी, चौकी डौरा निवासी पिंटू राम (27 वर्ष) के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क)(च), 34(2) एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक श्री अभिषेक राजवाड़े के नेतृत्व में की गई। टीम में आबकारी उपनिरीक्षक श्री राकेश तिर्की, मुख्य आरक्षक श्री धर्मजीत राम शर्मा, आरक्षक श्री सचिन यादव व श्री प्रभात गुप्ता, महिला नगर सैनिक कलिस्ता एक्का व हेमंती तिर्की शामिल रहे।

निजी अस्पतालों में नर्सिंग होम एक्ट के पालन की जांच, वाड्रफनगर व महावीरगंज में संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। निजी स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करने के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में स्वास्थ्य, औषधि एवं पुलिस विभाग की संयुक्त जिला स्तरीय टीम ने विकासखंड वाड्रफनगर तथा रामानुजगंज क्षेत्र के महावीरगंज में संचालित निजी स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण किया। टीम ने नर्सिंग होम एक्ट के प्रावधानों के अनुरूप पंजीयन, आवश्यक दस्तावेज, चिकित्सकीय व्यवस्था एवं दवाइयों के रख-रखाव की जांच की। कमियां पाए जाने पर संबंधित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.



विजय कुमार सिंह ने कहा कि जिले के सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों को नर्सिंग होम एक्ट सहित शासन के निर्धारित मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। मरीजों की सुरक्षा, उचित उपचार एवं दवाइयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना संस्था की जिम्मेदारी है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि निगरानी एवं निरीक्षण की यह कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

सीएमएचओ ने जिलेवासियों से अपील की है कि निजी स्वास्थ्य संस्थान में उपचार के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता या मरीजों के हितों से जुड़ी शिकायत होने पर इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दें।

हर्ष और उल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ 31 वाँ एथलेटिक मीट 2026, होली क्रॉस स्कूल (अंग्रेजी माध्यम) का हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, अम्बिकापुर में 03 और 04 नवम्बर 2026 को दो दिवसीय 31 वाँ एथलेटिक मीट 2026 अत्यंत हर्ष और उल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ। आयोजन का पहला दिन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के छात्रों के नाम रहा, जबकि दूसरा दिन जूनियर बच्चों के नाम रहा।

पहला दिनः सीनियर वर्ग का आयोजनदिनांक 03 नवम्बर के आयोजन में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज मुख्य अतिथि, सरगुजा पुलिस महानिरीक्षक श्री दीपक कुमार झा विशिष्ट अतिथि, अध्यक्ष छ०ग० युवा आयोग श्री विश्वविजय सिंह तोमर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

दूसरा दिनः जूनियर वर्ग का आयोजनदिनांक 04 नवम्बर के आयोजन में आयुक्त नगर पालिक निगम अम्बिकापुर विनय कुमार अग्रवाल मुख्य अतिथि, विशप अम्बिकापुर डॉ. एन्टोनिस बड़ा और अपर पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।आयोजन के दोनों दिन मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों के आगमन के बाद उन्हें अत्यन्त गौरवशाली ढंग से ब्रास बैण्ड की अगवानी में मंच तक पहुँचाया गया, जहाँ विद्यालय की प्राचार्य डॉ.सि.जेस्सी और छात्रों द्वारा बैज लगाकर एवं पुष्प गुच्छ समर्पित कर उनका सम्मान पूर्वक स्वागत किया गया।ध्वजारोहण, मार्च पास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रमप्राचार्य महोदया के स्वागत उद्बोधन के बाद ध्वजारोहण, स्कूल गान, मशाल प्रज्वलन एवं शपथ ग्रहण और परेड निरीक्षण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके बाद स्कूल के चारों हाउस की बालक-बालिकाओं, स्काउट गाइड और ब्रास बैण्ड के आकर्षक मार्च पास्ट की प्रस्तुति हुई, जिसकी सलामी मुख्य अतिथि ने ग्रहण की। इस मार्च पास्ट को देखकर अतिथि और अभिभावकगण रोमांचित हो गए। मुख्य अतिथि द्वारा 31वें एथलेटिक मीट 2026 के प्रारम्भ की घोषणा के बाद कार्यक्रमों का शुभारंभ मंगलाचरण, प्रार्थना नृत्य, स्वागत गान और स्कूल ब्रास बैण्ड ग्रुप की शानदार प्रस्तुति के साथ हुआ।सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यार्थियों द्वारा डान्स ड्रामा, जेन एक्स एनर्जी इन



मोशन, रिदमिक योगा डिस्प्ले और लोक नृत्यों की प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। खेल प्रतियोगिताएंखेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत 100 मी., 200 मी., 400 मी., 800 मी. और 4००ग100 मी. रिले रेस सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में अपने बचपन के दिनों को याद किया और बताया कि वे होली क्रॉस स्कूल के पहले बैच के विद्यार्थी रहे हैं और यहाँ आकर उन्हें रोमांच का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कामना की कि इस खेल आयोजन से ऐसी प्रतिभाएं निकलनी चाहिए जो ओलंपिक जैसे खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करें।विशिष्ट अतिथियों ने भी बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

दूसरे दिन जूनियर बच्चों की धूम

आयोजन का दूसरा दिन 04 नवम्बर जूनियर बच्चों के नाम रहा। कार्यक्रम में शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नर्सरी के बच्चों द्वारा द डिवाइन ब्लेसिंग प्रार्थना नृत्य, लेट्स प्ले-लेट्स डान्स, द बीट ब्रेकर्स, रिदम ऑफ विक्ट्री और तूफानी टाइटन की प्रस्तुतियाँ दी गईं। साथ ही छोटे बच्चों के लिए भाँति-भाँति के मनोरंजक खेल सम्पन्न हुए।इन आयोजनों पर अपना विचार रखते हुए मुख्य अतिथि विनय कुमार अग्रवाल ने जीवन में तीन आदर्शों क्रमशः अनुशासन, टीम भावना और संघर्ष को अपनाने की सीख दी एवं विशिष्ट अतिथि बिशप डॉ. एन्टोनिस बड़ा ने बच्चों को स्वयं पर भरोसा रखने और गिरकर फिर से संभलने की सीख दी। पुरस्कार वितरण अंत में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें जूनियर क्रम में हर्ष केरकेट्टा और एनी एलिन यादव को चैम्पियन घोषित किया गया तथा ब्लू हाउस को प्रथम, ऑरेंज हाउस को द्वितीय और रेड हाउस को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।इसी प्रकार सीनियर मार्च पास्ट क्रम में ब्लू हाउस बालिका प्लाटून को प्रथम, रेड हाउस बालक प्लाटून को द्वितीय और ग्रीन हाउस बालिका प्लाटून को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वर्ष भर आयोजित खेल गतिविधियों में ग्रीन हाउस को प्रथम, रेड हाउस को द्वितीय और ब्लू हाउस को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अभिभावकों के लिए भी हुए खेलइस आयोजन में अभिभावकों के लिए भी दो खेल गतिविधियाँ हुईं, जिसमें महिलाओं की बैक बोन बैलेंसिंग में गजाला परवीन प्रथम, रितिका कुजूर द्वितीय और दीपा कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार बॉम्बिंग द सिटी खेल में पिंकी यादव प्रथम, विकास कुमार सोनी द्वितीय और सुमन साहू तृतीय स्थान पर रहीं।अंत में आयोजन के दूसरे दिन राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. सि. जेस्सी ने इस सफल आयोजन में योगदान देने के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

रॉयल एनफील्ड के इतिहास में नया अध्यायः स्टेलर्स मोटो राइडर्स ने रचा इतिहास, एक साथ 101 बाइक्स की मेगा डिलीवरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के मनेंद्रगढ़ रोड स्थित रॉयल एनफील्ड के अधिकृत शोरूम स्टेलर्स मोटराइडर्स में धनतेरस के शुभ अवसर पर भव्य मेगा डिलीवरी समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में रॉयल एनफील्ड के इतिहास में पहली बार एक साथ 101 मोटरसाइकिलों की डिलीवरी ग्राहकों को दी गई। इस ऐतिहासिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र में खासा उत्साह और आकर्षण पैदा किया। शोरूम परिसर में आयोजित इस भव्य समारोह में बड़ी संख्या में ग्राहक अपने परिवारों के साथ पहुंचे। नई रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिलों की डिलीवरी पाकर ग्राहकों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को



मिला। आयोजन के दौरान कई नए ग्राहक भी रॉयल एनफील्ड की लोकप्रियता और भव्य डिलीवरी समारोह से प्रभावित होकर मौके पर ही बुकिंग कराने पहुंचे। कई ग्राहकों ने तत्काल बुकिंग कर अपनी पसंदीदा मोटरसाइकिल की डिलीवरी भी प्राप्त की। इस अवसर पर कंपनी के एरिया सेल्स मैनेजर (अरट) तुषार रॉय विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही कंपनी के संचालक अजय अग्रवाल, आयुष गर्ग एवं राहुल गर्ग सहित कुनाल बाबरा, रोचक मेवाती एवं अन्य गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राहकों का यह अपार विश्वास और उत्साह स्टेलर्स मोटराइडर्स की बेहतर सेवाओं, मजबूत ग्राहक संबंधों और रॉयल एनफील्ड ब्रांड के प्रति लोगों के बढ़ते आकर्षण को दर्शाता है। स्टेलर्स मोटराइडर्स प्रबंधन ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय अपने सभी ग्राहकों को देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। प्रबंधन ने कहा कि ग्राहकों का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और भविष्य में भी बेहतर सेवा, शानदार अनुभव एवं ग्राहकों की संतुष्टि के लिए प्रतिष्ठान निरंतर प्रयासरत रहेगा। 101 मोटरसाइकिलों की एक साथ डिलीवरी का यह आयोजन अंबिकापुर के ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिए एक यादगार उपलब्धि बन गया।

धनतेरस पर कोरिया पुलिस ने लौटाई खुशियां, 25 गुम मोबाइल पाकर खिले लोगों के चेहरे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया, ।पुलिस अधीक्षक श्री हरीश राठौर के निर्देशन में साइबर सेल की बड़ी सफलता, लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये कीमत की 25 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को किए गए सुपुर्द। धनतेरस का पर्व नई वस्तुओं की खरीदारी, सुख-समृद्धि और खुशियों का प्रतीक माना जाता है। इस शुभ अवसर पर जहां लोग नए मोबाइल एवं अन्य वस्तुओं की खरीदारी कर रहे हैं, वहीं कोरिया पुलिस ने आम नागरिकों को एक अनमोल सौगात देते हुए उनके गुम हुए मोबाइल फोन वापस लौटाकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। पुलिस अधीक्षक श्री हरीश राठौर के कुशल निर्देशन में, अतिरिक्त



पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक सिंह के मार्गदर्शन में , उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती आशा सेन, एसडीओपी श्री मोहसिन खान, उप पुलिस अधीक्षक श्याम मधुकर के मार्गदर्शन पर साइबर सेल प्रभारी श्री मोहम्मद तालिब शेख के नेतृत्व में साइबर सेल की टीम द्वारा तकनीकी माध्यमों एवं सतत प्रयासों से गुम हुए कुल 25 मोबाइल फोन खोजकर बरामद किए गए। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कुल कीमत लगभग 3 लाख 50 हजार रुपये है। धनतेरस के पावन अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री हरीश राठौर द्वारा बरामद किए गए सभी 25 मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किए गए। लंबे समय से अपने गुम हुए मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद लगाए बैठे लोगों के लिए यह अवसर किसी त्योहार के अनमोल उपहार से कम नहीं था। अपने खोए हुए मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने कोरिया पुलिस एवं साइबर सेल की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। कोरिया पुलिस का यह प्रयास दर्शाता है कि पुलिस केवल अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान कर उनके जीवन में खुशियां लौटाने के लिए भी सदैव प्रतिबद्ध है। इस धनतेरस पर कोरिया पुलिस ने बाजार से खरीदे जाने वाले उपहारों से अलग, लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल फोन वापस लौटाकर खुशियों का अनमोल उपहार दिया।

टीएसपी परियोजना से जनजातीय क्षेत्रों में बढ़ेगा तिलहन उत्पादन, लुण्ड्रा एवं मैनपाट में 100 एकड़ सरसों खेती का लक्ष्य निर्धारित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान , हैदराबाद (तेलंगाना) के सहयोग से संचालित टीएसपी परियोजना 'छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में उत्पादकता एवं आजीविका बढ़ाने हेतु तिलहन उत्पादन प्रौद्योगिकियों का प्रोत्साहन कार्यक्रम' के अंतर्गत जनजातीय किसानों के बीच सरसों की वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीज वितरण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। परियोजना के तहत लुण्ड्रा विकासखंड में तथा मैनपाट विकासखंड में 50 एकड़ कुल 100 एकड़ क्षेत्र में सरसों की खेती को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य



निर्धारित किया गया है। इस क्रम में लुण्ड्रा विकासखंड के किसानों के लिए राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय के सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, वहीं मैनपाट विकासखंड के किसानों के गांवों में पहुंचकर उन्हें सरसों के उन्नत बीज वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन परियोजना के राज्य प्रमुख अन्वेषक डॉ. नंदन मेहता, राज्य समन्वयक डॉ. संजय द्विवेदी, डॉ. संतोष सिन्हा, अधिष्ठाता, राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय तथा डॉ. के.एल. पैकरा, सह-संचालक अनुसंधान, परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर डॉ. सत्येंद्र कुमार गुप्ता, परियोजना अन्वेषक, सरगुजा जोन ने उपस्थित किसानों का स्वागत एवं अभिवादन करते हुए परियोजना के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं तिलहन फसलों की खेती से होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को सरसों की उन्नत उत्पादन तकनीक, बीज उपचार, फसल प्रबंधन के संबंध में तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही किसानों को सरसों की खेती के साथ साथ सूरजमुखी, कुसुम एवं अलसी जैसे तिलहन फसलों को अपनाने के ऊपर किसानों को प्रेरित किया। डॉ. के.एल. पैकरा ने किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से सरसों की खेती अपनाने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के माध्यम से उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया साथ ही उन्होंने तिलहनी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के बारे जानकारी देकर उनके उपचार के तरीके बताए। इस कार्यक्रम में मिस किरण तिग्गा, डॉ. अखिलेश लकड़ा , डॉ सचिन जैसवाल, डॉ लक्ष्मी सिंह, डॉ शशि किरण सहित अन्य वैज्ञानिक एवं कर्मचारीगण कृषि महाविद्यालय एवं परिक्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र अंबिकापुर सहित लुण्ड्रा विकासखंड के जनजातीय किसान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। परियोजना का मुख्य उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना, किसानों की तकनीकी दक्षता विकसित करना तथा फसल विविधीकरण के माध्यम से उनकी आय एवं आजीविका में वृद्धि करना है।

धनतेरस पर अम्बिका सुजुकी में 85 गाड़ियों की डिलीवरी, ग्राहकों ने जमकर कराई बुकिंग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। धनतेरस के शुभ अवसर पर अम्बिका सुजुकी में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। इस खास मौके पर सुजुकी की लोकप्रिय दोपहिया गाड़ियों की कुल 85 यूनिट्स की डिलीवरी की गई। ग्राहकों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी पसंदीदा गाड़ियों की बुकिंग कराई और धनतेरस के शुभ दिन को यादगार बनाया। सुजुकी के लोकप्रिय मॉडल एक्सेस, बर्गमैन, एवेनिस और जिक्सर ग्राहकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। शानदार डिजाइन, आधुनिक फीचर्स, बेहतरीन परफॉर्मेंस और दमदार माइलेज के चलते इन मॉडलों को लोगों ने खूब सराहा और पसंद किया। खासकर सुजुकी एक्सेस में 76 किलोमीटर



प्रति लीटर तक के माइलेज के दावे ने ग्राहकों को खासा आकर्षित किया। इस अवसर पर अम्बिका सुजुकी की ओर से ग्राहकों को आकर्षक ऑफर्स भी दिए गए। प्रत्येक गाड़ी की खरीद पर चांदी का सिक्का, ₹3,000 का फ्लैट डिस्काउंट, दो साल तक फ्री सर्विस और आकर्षक टी-कप सेट उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। इन विशेष ऑफर्स ने ग्राहकों के उत्साह को और बढ़ा दिया तथा खरीदारी के प्रति लोगों में खासा आकर्षण देखने को मिला। धनतेरस पर 85 गाड़ियों की डिलीवरी अम्बिका सुजुकी के लिए एक यादगार उपलब्धि रही। इस अवसर पर अम्बिका सुजुकी परिवार ने सभी ग्राहकों का आभार व्यक्त करते हुए उनके सुखद एवं सुरक्षित सफर की कामना की।

स्थानीय हुनर से रोशन हो दीपावली, कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा ने खरीदे मिट्टी के दीये और झालर



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरिया, । दीपावली की तैयारियों के बीच कोरिया कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने स्व-सहायता समूह द्वारा लगाए गए स्टॉल से मिट्टी के दीये और आकर्षक झालर खरीदे। समाज कल्याण विभाग, बैकुंठपुर के सामने लगाए गए इस स्टॉल पर पहुंचकर उन्होंने स्थानीय उत्पादों की खरीदारी की और जिलेवासियों को भी स्थानीय हुनर से अपना घर रोशन करने का संदेश दिया। कलेक्टर श्रीमती यादव ने जिले एवं नगरवासियों से अपील की कि इस दीपावली स्व-सहायता समूहों और स्थानीय कुम्हार परिवारों द्वारा निर्मित मिट्टी के दीये खरीदें।

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, सरगुजा जिले के 61 उपार्जन केंद्रों में तैयारियां अंतिम चरण में

जिले के 61 उपार्जन केंद्रों में 62 हजार 471 किसान पंजीकृत

67 हजार 929.40 हेक्टेयर धान के रकबे का हुआ पंजीयन

उपार्जन केंद्रों में पेयजल, छाया और साफ-सफाई सहित आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही सुनिश्चित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा धान खरीदी की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले में आगामी 15 नवंबर से प्रारंभ होने वाली धान खरीदी को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में कुल 62 हजार 471 किसानों का पंजीयन किया गया है, जिनका कुल पंजीकृत रकबा 67 हजार 929.40 हेक्टेयर है। जिले में पूर्व में संचालित 54 धान उपार्जन केंद्रों के अतिरिक्त किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 7 नवीन धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इसके साथ ही जिले में धान उपार्जन केंद्रों की कुल संख्या बढ़कर 61 हो गई है। इन केंद्रों के माध्यम से पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जाएगी।

नवीन उपार्जन केंद्रों से किसानों को मिलेगी सुविधा, कम होगी दूरी

राज्य शासन द्वारा किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए जिले में 7 नए धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों के प्रारंभ होने से संबंधित ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूरस्थ उपार्जन केंद्रों तक जाने की आवश्यकता कम होगी। इससे किसानों के परिवहन में लगने वाले समय और खर्च में कमी आने के साथ धान विक्रय की प्रक्रिया भी अधिक सुविधाजनक हो सकेगी।



उपार्जन केंद्र में तैयारियां लगभग पूर्ण, किसानों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान

दरिमा धान उपार्जन केंद्र में भी खरीदी को लेकर तैयारियां लगभग अंतिम चरण में हैं। धान उपार्जन समिति के सत्यम कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ होनी है। इसके लिए केंद्र परिसर की साफ-सफाई के साथ किसानों के लिए पेयजल, बैठने हेतु छाया सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि दरिमा समिति में लगभग 885 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से प्रतिवर्ष धान का विक्रय करते हैं। किसानों को उपार्जन केंद्र में अपनी उपज बेचने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसे ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। खरीदी प्रारंभ होने से पहले शेष व्यवस्थाएं भी पूर्ण कर ली जाएंगी, ताकि किसानों को बेहतर सुविधाओं के साथ सुचारू रूप से धान विक्रय की सुविधा मिल सके।

सम्पादकीय

ट्रंप को दुनिया में उथल पुथल मचाने की सजा

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे ताकतवर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिका की ताकत का जिस तरह इस्तेमाल किया, उससे वैश्विक व्यवस्था में स्थिरता के बजाय अनिश्चितता और टकराव बढ़ा है। कभी युद्ध की धमकी, कभी सैन्य कार्रवाई, कभी व्यापारिक प्रतिबंध तो कभी सहयोगी देशों को टैरिफ लगाने की चेतावनी। ट्रंप को विदेश नीति में कूटनीति और सहमति के मुकाबले दबाव और एकतरफा फैसलों को अधिक महत्व मिला। अब अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में उनकी पिपिलिकन पार्टी का सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों में बहुमत गंवाना उनकी नीतियों और कार्यशैली पर जनता की नाराजगी का बड़ा संकेत है। ईरान के साथ अमेरिका और इजराइल का युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। परमाणु कार्यक्रम और सुरक्षा चिंताओं के नाम पर शुरू हुआ सैन्य टकराव लंबा खिंच गया। इसके परिणाम केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहे। खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई, कच्चे तेल की कीमतों और परिवहन लागत पर दबाव बढ़ा तथा दुनिया के अनेक देशों में महंगाई की चिंता गहराई। अमेरिका में भी पेट्रोल और रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतें मतदाताओं के असंतोष का कारण बनीं। वेनेजुएला के मामले में भी ट्रंप प्रशासन की कार्यशैली सवालों के घेरे में रही। किसी संप्रभु देश के राष्ट्रपति को सैन्य अभियान के जरिए हटाना और उसके संसाधनों में अमेरिकी हितों की खुली बात करना अंतरराष्ट्रीय कानून, संप्रभुता और दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की सीमाओं पर गंभीर बहस पैदा करता है। इजराइल और गाजा के मामले में भी ट्रंप की नीति विरोधाभासों से घिरी रही। उन्होंने युद्धविराम और शांति योजना के प्रयास किए, लेकिन गाजा में हिंसा पूरी तरह नहीं रुकी। दूसरी ओर, इजराइल को अमेरिकी सैन्य सहायता और हथियारों की आपूर्ति जारी रखने की नीति ने वाशिंगटन में भी सवाल खड़े किए। रूस-यूक्रेन युद्ध के मामले में भी ट्रंप की नीति में निरंतरता का अभाव दिखाई दिया। कभी 24 घंटे में युद्ध समाप्त कराने का दावा, कभी यूक्रेन पर समझौते के लिए दबाव और कभी रूस के प्रति नरम रुख के संकेत। इससे यूरोपीय सहयोगियों के बीच अमेरिकी प्रतिबद्धता को लेकर चिंता बढ़ी। नाटो और पारंपरिक मित्र देशों के साथ भी ट्रंप का टकरावपूर्ण रवैया भरोसे को प्रभावित करता रहा। भारत समेत कई व्यापारिक साझेदारों को अमेरिकी शुल्क और आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ा। ट्रंप का तर्क रहा कि इससे अमेरिकी उद्योग और रोजगार को संरक्षण मिलेगा, लेकिन आयात महंगा होने का बोझ अंततः अमेरिकी उपभोक्ताओं और कारोबारियों पर भी पड़ता है। व्यापारिक रिश्तों को सहयोग के बजाय दबाव का माध्यम बनाने से वैश्विक निवेश और आपूर्ति श्रृंखलाओं में अनिश्चितता बढ़ी। मिडटर्म चुनाव में डेमोक्रेट्स को दोनों सदनों में बहुमत मिलना इसी व्यापक असंतोष की राजनीतिक अभिव्यक्ति है। अब विपक्ष को ट्रंप प्रशासन की नीतियों की जांच, सैन्य कार्रवाई पर सवाल और आर्थिक फैसलों की समीक्षा करने का अधिक अवसर मिलेगा। लोकतंत्र में राष्ट्रपति की शक्ति जनता की सहमति और संवैधानिक संस्थाओं की निगरानी से संचालित होती है। ट्रंप को समझना होगा कि अमेरिका की ताकत का अर्थ दुनिया को अपनी शर्तों पर चलाना नहीं है। युद्ध, व्यापार और कूटनीति में दबाव के बजाय संवाद, भरोसे और साझेदारी को प्राथमिकता देनी होगी। दुनिया को महाशक्ति की मनमानी नहीं, जिम्मेदार नेतृत्व की जरूरत है।



विश्लेषण
राज कुमार सिन्हा

विपक्षी एकता के केंद्र में राहुल गांधी

इंडिया गठबंधन की रैली भारतीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह रैली केवल चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठाए गए सवालों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसने विपक्षी राजनीति में नेतृत्व, एकजुटता और भविष्य की रणनीति से जुड़े कई सवालों को भी सामने रखा है। रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला और वामपंथी दलों के नेताओं की मौजूदगी ने विपक्षी एकजुटता का संदेश दिया है। रैली में विपक्ष के कई बड़े नेताओं की उपस्थिति के बावजूद राहुल गांधी प्रमुख वक्ता और आंदोलन के केंद्रीय चेहरों में शामिल रहे। भारतीय राजनीति में विपक्षी एकता की सबसे बड़ी चुनौती हमेशा नेतृत्व और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का टकराव रही है। कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है, लेकिन कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों का अपना मजबूत जनाधार और राजनीतिक प्रभाव है। ममता बनर्जी और अखिलेश यादव जैसे नेताओं की अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान और संगठनात्मक ताकत है। इसलिए विपक्षी नेतृत्व का सवाल अभी भी गठबंधन के भीतर राजनीतिक सहमति और व्यवहारिक तालमेल से जुड़ा हुआ है। यहां एक महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है कि मतदाता सूची में इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने की प्रक्रिया में पारदर्शिता, प्रभावित मतदाताओं को सुनवाई का अवसर और शिकायतों के त्वरित समाधान की व्यवस्था होना लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे को विपक्षी राजनीति के केंद्र में लाकर चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और नागरिकों के मताधिकार को एक बड़े राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया है। विपक्ष के लिए यह केवल सत्ता पक्ष का विरोध करने का मुद्दा नहीं, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग भी है। कांग्रेस में राहुल गांधी की केंद्रीय राजनीतिक भूमिका स्पष्ट है। इंडिया गठबंधन के कई बड़े नेता उनके साथ साझा मंचों पर दिखाई दे रहे हैं। वहीं, देशभर में यात्राओं, संसदीय बहसों और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उन्होंने अपनी राजनीतिक उपस्थिति बढ़ाई है। लेकिन विपक्ष का सर्वमान्य नेता बनने के रास्ते में कुछ चुनौतियां भी हैं। कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के बीच सीटों के बंटवारे, राज्यों में आपसी प्रतिस्पर्धा, नेतृत्व की भूमिका और चुनावी रणनीति को लेकर मतभेद समने आते रहे हैं। इसके अलावा गठबंधन के भीतर ममता बनर्जी और अन्य क्षेत्रीय नेताओं की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसलिए, राहुल गांधी की बढ़ती केंद्रीय भूमिका को विपक्षी नेतृत्व के प्रश्न का महत्वपूर्ण घटनाक्रम तो माना जा सकता है, लेकिन भविष्य में सभी दलों को लेकर चलना महत्वपूर्ण कसौटी होगा। भारतीय लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष की भूमिका केवल सरकार की आलोचना करना नहीं है। विपक्ष को जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां, कार्यक्रम और शासन का स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी जरूरी है।

आज देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आर्थिक स्थिति, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, बढ़ती आर्थिक असमानता, पर्यावरण संकट और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियां हैं। विपक्ष यदि इन मुद्दों पर साझा कार्यक्रम तैयार करता है, तो उसकी राजनीतिक प्रासंगिकता केवल चुनावी विरोध तक सीमित नहीं रहेगी। राहुल गांधी के सामने भी यही सबसे बड़ी चुनौती है। उन्हें यह स्पष्ट करना होगा कि विपक्ष सत्ता में आने की स्थिति में रोजगार, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, संघीय ढांचे और सामाजिक न्याय के सवालों पर क्या वैकल्पिक नीतियां अपनाएगा। इसके साथ ही कांग्रेस को भी अपने संगठन को मजबूत करना होगा। विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों के साथ सम्मानजनक संबंध, सीटों के बंटवारे में व्यावहारिक समझौते और साझा कार्यक्रम की प्रतिबद्धता जरूरी होगी।

दिल्ली के रामलीला मैदान की रैली ने विपक्षी राजनीति में राहुल गांधी की केंद्रीय भूमिका को एक बार फिर रेखांकित किया है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि विपक्ष के कई प्रमुख दल लोकतांत्रिक संस्थाओं और मताधिकार से जुड़े मुद्दों पर राहुल गांधी के साथ खड़े होने को तैयार हैं। राहुल गांधी के लिए यह अवसर भी है और चुनौती भी। यदि वे विपक्षी दलों के बीच भरोसा कायम करने, क्षेत्रीय नेतृत्व को साथ लेकर चलने और जनता के सामने एक विश्वसनीय वैकल्पिक राजनीतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने में सफल होते हैं, तो उनकी नेतृत्वकारी भूमिका और मजबूत हो सकती है। लोकतंत्र में विपक्ष का मजबूत होना उतना ही जरूरी है, जितना सत्ता पक्ष का जवाबदेह होना। इसलिए दिल्ली की रैली का वास्तविक महत्व किसी एक नेता की राजनीतिक प्रतिष्ठा से आगे बढ़कर इस सवाल में निहित है कि क्या भारत का विपक्ष अपनी विविधताओं के बावजूद एक साझा लोकतांत्रिक और राजनीतिक विकल्प तैयार कर पाएगा?

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



मंथन
पंकज चतुर्वेदी



ग्रीन पटाखे : पर्यावरण का सच या नया छलावा

बीते एक दशक से दिल्ली एनसीआर में दीपावली और खुशियों के बीच अदालत के बारहस्त आतिशबाजी खड़ी हो जाती है। इसमें कोई शक नहीं कि दिवाली नजदीक आते ही सांसों पर संकट छा जाता है, लेकिन यह भी कड़वा सच है कि दिल्ली और उसके आसपास वायु प्रदूषण तो पूरे साल रहता है और शहर के लोग अपनी आदतें बदलने की जगह कभी आतिशबाजी तो कभी पराली के सर दोष मढ़ते रहते हैं। उच्चतम न्यायालय ने इस साल भी कड़ा संदेश दे दिया कि दूसरों के जीवन की कीमत पर आतिशबाजी दागने की छूट नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने केवल दो दिन के लिए कुछ घंटों के लिए ग्रीन- क्रेकर या पर्यावरण- मित्र आतिशबाजी की अनुमति दी हैं। वैसे पिछले कई सालों से दीपावली पर अदालत के आदेश धुएं में उड़ते दिखते हैं, वहीं ग्रीट-पटाखे "गुड़ खाकर गुलगुले से परहेज करने" जैसे हैं। जिन कारणों से आतिशबाजी पर पूरी पाबंदी की बात होती हैं, ये ग्रीन पटाखे उन मानदंडों पर बस उन्नीस ही रहते हैं। एक बात समझ लें कि भले ही उनका नाम "ग्रीन पटाखा " है लेकिन सच यह है कि ग्रीन पटाखे भी उतने "ग्रीन" नहीं जितना नाम से लगता है। सामान्य पटाखों में बैरियम नाइट्रेट, सल्फर, एल्युमिनियम और पोटेशियम नाइट्रेट जैसे रसायन होते हैं जो जलने पर जहरीली गैसें छोड़ते हैं। ग्रीन पटाखों में इनहीं रसायनों की मात्रा कम रखी जाती है या कुछ जगह उनके स्थान पर कम हानिकारक यौगिकों का इस्तेमाल किया जाता है। इन्हें भारत सरकार की वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान सीएसआईआर और नीरी अर्थात 'वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान' ने विकसित किया था, ताकि पारंपरिक पटाखों से 30 प्रतिशत तक कम प्रदूषण हो। ग्रीन पटाखे तीन किस्म के विकसित किए गए थे। पहली श्रेणी है 'स्वास' या 'सेफ वाटर रिलीजर'। ये जलने पर जल वाष्प छोड़ते हैं, जो धूल के कणों को दबाने में मदद करता है। इसमें सल्फर और पोटेशियम नाइट्रेट का उपयोग नहीं होता। 'स्टार' को ' सेफ थर्माइट क्रेकर' कहा जाता है।

इनमें पोटेशियम नाइट्रेट और सल्फर नहीं होता। ये कम शोर के साथ पीएम कणों को कम उत्सर्जित करते हैं। तीसरे तरह की 'सफल' आतिशबाजी यानि 'सेफ मिनिमम एल्युमियम' में पारंपरिक पटाखों में इस्तेमाल एल्युमीनियम की मात्रा को काफी कम रखा जाता है, या मैग्नीशियम जैसे विकल्प का उपयोग होता है। चूंकि इस तरह की आतिशबाजी को बनाना थोड़ा महंगा होता है सो अधिकांश बाजार महज लेबल लगाकर पारंपरिक आतिशबाजी बेचता है। विदित हो कि साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने पारंपरिक पटाखों पर रोक लगाकर केवल "ग्रीन पटाखों" को अनुमति दी थी। तभी से असल बाजार में जो पटाखे बिक रहे हैं, उनमें से ज्यादातर नकली या बिना प्रमाणित हैं। यानी नीति बनी, पर निगरानी नहीं हुई। यदि रासायनिक सम्मिश्रण की बात की जाए तो ग्रीन पटाखों में भले बैरियम न हो, लेकिन अमोनियम और एल्युमिनियम यौगिकों के जलने से निकलने वाले सूक्ष्म धात्विक कण यथावत हैं। ये कण शरीर के भीतर जाकर फेफड़ों में सूजन, सिरदर्द और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं बढ़ाते हैं। कथित ग्रीन पटाखे में पोटेशियम नाइट्रेट, अमोनियम नाइट्रेट और एल्युमिनियम पाउडर का इस्तेमाल होता है और इनके जलने से भी नाइट्रोजन ऑक्साइड और एल्युमिनियम ऑक्साइड उत्सर्जित होते हैं जो फेफड़ों, आंखों और त्वचा के लिए हानिकारक हैं। विदित हो अमोनियम नाइट्रेट कई देशों में विस्फोटक पदार्थ के रूप में प्रतिबंधित है; इससे अमोनिया और नाइट्रस ऑक्साइड हैं। कोई भी दहन-आधारित प्रक्रिया, जिसमें पटाखों का जलना शामिल है, कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य गैसों का उत्सर्जन करती है। ग्रीन पटाखों में भी दहन के लिए जिस सामग्री का इस्तेमाल होता है, उससे कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जित होती ही हैं, हां कहा जा सकता है कि पारम्परिक आतिशबाजी से कोई 30 फीसदी कम। यही नहीं पिछले कुछ वर्षों में हुए परीक्षणों में पाया गया कि ग्रीन पटाखे भी पीएम -2.5 और पीएम -10 कणों का स्तर 20 से 25 प्रतिशत बढ़ा देते हैं। ग्रीन पटाखे पारंपरिक पटाखों से कुछ कम हानिकारक जरूर हैं, लेकिन पर्यावरण के लिए सुरक्षित नहीं। यह एक दिखावटी सुधार है, असली समाधान नहीं। जब तक हमारी सोच "कम प्रदूषण" से आगे बढ़कर "बिना प्रदूषण" की दिशा में नहीं जाएगी, तब तक हर दीवाली हमारी हवा में और जहर घोलेगी। सरकार और समाज दोनों को इस दिशा में जागरूक होना होगा, तभी "ग्रीन दीवाली" वास्तव में हरी-भरी और स्वस्थ होगी।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

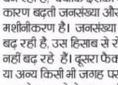
अनासक्त हुए बिना करें दूसरों की भलाई



संकलित
दर्शन

यह सोचना भूल है कि हमने संसार का भला किया। इस विचार से दुख उत्पन्न होता है। हम किसी की सहायता करने के बाद सोचते हैं कि वह हमें इसके बदले में धन्यवाद दे, पर वह धन्यवाद नहीं देता, तो हमें दुख होता है। हम जो कुछ भी करें, उसके बदले में किसी चीज की आशा क्यों रखें? बल्कि उल्टे हमें उसी के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए, जिसकी हम सहायता करते हैं, उसे साक्षात नारायण मानना चाहिए। मनुष्य की सहायता द्वारा ईश्वर की उपासना करना क्या हमारा परम सौभाग्य नहीं है? यदि हम वास्तव में अनासक्त हैं, तो हमें यह प्रत्याशा जनक कष्ट क्यों होना चाहिए? अनासक्त होने पर तो हम प्रसन्नतापूर्वक संसार में भलाई कर सकते हैं। अनासक्त किए हुए कार्य से कभी भी दुख अथवा अशांति नहीं आएगी। यदि हम यह जान लें कि आसक्ति रहित होकर किस तरह कर्म करना चाहिए, तभी हम दुराग्रह और मतांधता से परे हो सकते हैं। जब तुम दुराग्रह और मतांधता से परे हो जाओगे, तभी अच्छी तरह कार्य कर सकोगे। जो ठंडे मस्तिष्क वाला और शांत है, जो उत्तम ढंग से विचार करके कार्य करता है, जिसके स्नायु सहज ही उत्तेजित नहीं होते तथा जो अत्यंत प्रेम और सहानुभूति संपन्न है, केवल वही व्यक्ति संसार में परोपकार कर सकता है और इस तरह वह अपना भी कल्याण कर सकता है।

गुरु नानक के आशीर्वाद का रहस्य



संकलित
प्रेरणा

एक बार गुरु नानक देव अपने शिष्यों के साथ एक ऐसे गांव में पहुंचे जहां के लोग साधु-संन्यासी लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते थे। गुरु नानक जी वहां गए तो उनसे भी वहां के लोगों ने ऐसा ही व्यवहार किया। जब वो परेशान होकर उस गांव से जाने लगे तो गांव के लोगों ने कहा कि, महात्माजी कुछ आशीर्वाद तो देते जाइए। गुरु नानक थोड़ी देर तक हंसते रहे फिर बोले, खूब आबाद रहो। इसके बाद वो आगे बढ़ गए। इस बीच कुछ गांव के लोग भागते हुए वहां पहुंचे। सभी उनकी सेवा करने लगे। उन्होंने फिर से गुरुनानक जी से आशीर्वाद मांगा। तब उन्होंने कहाः सभी उजड़ जाओ। गुरु नानक के ऐसे अटपटे आशीर्वाद से परेशान होकर एक व्यक्ति ने उनसे पूछाः महात्मा जी! जिन लोगों ने अतिथि धर्म का तिरस्कार किया उन्हें आपने आबाद रहने का और जो लोग आपकी सेवा में आए उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद क्यों दिया। गुरु नानक जी ने उस व्यक्ति से कहा कि: सज्जन व्यक्ति जहां जाता है वो वहां अपनी अच्छाइयों को ले जाता है। यह दुर्जन से बेहतर होता है। इसलिए मैंने पहले जब वो दुर्जन थे तो उन्हें एक जगह आबाद रहने का आशीर्वाद दिया और जब वो सज्जन बन गए और मेरे पास आशीर्वाद लेने आए तो मैंने उन्हें उजड़ने यानी समाज में अच्छाई फैलाने का आशीर्वाद दिया।

अंतर्मन

आज की पाती

देश-दुनिया में बढ़ रही बेरोजगारी की समस्या

बेरोजगारी की समस्या हमारे देश के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के लिए चुनौती बन रही है, क्योंकि हमारा एक तो मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या और दूसरा मशीनीकरण है। जनसंख्या जिस हिसाब से बढ़ रही है, उस हिसाब से रोजगार अवसर नहीं बढ़ रहे हैं। दूसरा फैक्टरी, कंपनी, खेत या अन्य किसी भी जगह पर जिस काम को दस लोग करते थे, अब उसी काम को मशीन द्वारा एक ही व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है। ऐसे में लाजिमी है कि देश-दुनिया में बेरोजगारी की लाइन बढ़ती जाए।

-मनिता शर्मा, अंबाला

ट्रेंड

छत्तीसगढ़ नक्सल-मुक्त

दशकों तक माओवादियों ने छत्तीसगढ़ को हिंसा के अंधेरे में धकेले रखा, जबकि कांग्रेस सरकारों ने उन्हें राजनीतिक संरक्षण दिया। आज भरोसे और विकास की डबल इंजन सरकार ने छत्तीसगढ़ को नक्सल-मुक्त होकर विकास, सुशासन और समृद्धि का पर्याय बन रहा है। -अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

पंजाब में नशा

पंजाब ने 'आप' पर भरोसा किया, सत्ता पर भरोसा किया। वादा यह था- हम नशों को जड़ से खत्म कर देंगे। पंजाब के किस कोने से आपने नशों को खत्म किया है? पंजाब को एक ऐसा सीएम चाहिए जो वहां के दर्द को समझे, पूरी ताकत से नशे के खिलाफ लड़े। - राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

बीजेपी की बी-टीम

आज आदमी पार्टी, 'बीजेपी की बी-टीम' है। कांग्रेस जहां भी चुनाव लड़ने जाती है, 'आप' वहां पहुंचकर पूरा तानाबाना बिखाड़ देती है। हम गुजरात में जीत रहे थे, लेकिन 'आप' ने वहां खेल बिगाड़ दिया। हम गोवा में भी जीत रहे थे, वहां भी सब गड़बड़ कर दिया। - मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

सेकंड टूर ऑफ ड्यूटी

अग्निवीरों के लिए 'सेकंड टूर ऑफ ड्यूटी' को मंजूरी मिलने से युवाओं को सशस्त्र सेना से जुड़े रहने का एक नया अवसर मिलेगा। जो अग्निवीर अपना शुरुआती चार साल का कार्यकाल पूरा कर लेंगे, वे अब सेना में दो और साल तक सेवा दे सकेंगे। -परवेज साहिब सिंह, पेशेनेट मंत्री, दिल्ली

करंट अफेयर

ब्रिटेन में भारतीय छात्रों को बढ़ावा देने के लिए समझौता

ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के एक प्रमुख संगठन और लंदन मेट्रोपॉलिटन विश्वविद्यालय ने छात्रों के शैक्षणिक सफर, रोजगार के अवसरों, अंतरराष्ट्रीय शिक्षा और नीतिगत सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता किया है। नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड एलुमनी यूनियन (एनआईएसएए) यूके ने बताया कि आमतौर पर लंदन मेट के नाम से लोकप्रिय इस विश्वविद्यालय के साथ पिछले सप्ताह हाउस ऑफ लॉर्ड्स परिसर में आयोजित एक समारोह में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

संगठन के अनुसार, इस साझेदारी के तहत दोनों देशों के शैक्षणिक संस्थानों, नियोक्ताओं और नीति निर्माताओं को एक साथ लाने वाले 'ट्रिपल हेलिक्स मॉडल' पर काम किया जाएगा। लंदन मेट्रोपॉलिटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर जूली हॉल ने कहा, लंदन मेट में हमारा उद्देश्य हमेशा स्पष्ट रहा है। हम शिक्षा के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारी कोशिश है कि हमारे समुदाय, दृष्टिकोण और साझेदारियों में भी यह विविधता प्रतिबिंबित हो।

ऑफ बीट

उपग्रहों का शोर दूरबीनों और जीपीएस को कर रहा बाधित

एक दशक से भी कम समय पहले पृथ्वी की कक्षा में करीब 2,000 सक्रिय उपग्रह थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 15,000 से अधिक हो गई है। आने वाले समय में लाखों और उपग्रह भेजने की योजना है। इन उपग्रहों से पैदा होने वाली 'अंतरिक्ष अपशिष्ट' की समस्या पर काफी चर्चा हुई है। लेकिन एक दूसरी समस्या पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। इन उपग्रहों से निकलने वाला रेडियो शोर उन दूरबीनों को प्रभावित कर रहा है, जो ब्रह्मांड को समझने में हमारी मदद करती हैं। इससे जीपीएस को सही ढंग से काम करने में मदद देने वाले माप भी गलत हो रहे हैं। राहत की बात यह है कि इस समस्या को ठीक करने का एक तरीका है, बशर्ते हम अभी कदम उठाएं। रेडियो दूरबीनें उन संकेतों को पकड़ सकती हैं, जो बिग बैंग के कुछ समय बाद पैदा हुए थे। इनकी मदद से खगोलविद प्रारंभिक ब्रह्मांड और पिछले 13.8 अरब वर्ष में इसके विकास को समझ पाते हैं। रेडियो दूरबीनें बहुत दूर स्थित आकाशगंगाओं की सटीक स्थिति का पता लगाने में भी मदद करती हैं। इन आकाशगंगाओं को आधार बनाकर पृथ्वी पर जीपीएस जैसी तकनीकों को अधिक सटीक बनाया जाता है।

खबर संक्षेप

गंगोत्री हाईवे पर नदी में समाई कार, 4 की मौत

उत्तरकाशी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार सुबह गंगनानी के पास भागीरथी नदी में इनोवा कार गिरने के



हादसे में अब तक 4 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। वाहन में 7 लोग सवार थे। इनमें से एक घायल है और 2 लापता हैं। सभी यात्री गुजरात के साबरमती क्षेत्र के निवासी हैं और उत्तरकाशी से गंगोत्री धाम की ओर जा रहे थे। हादसे के बाद लापता लोगों की तलाश के लिए जल पुलिस और गोताखोर नदी के तेज बहाव में सर्च अभियान चला रहे हैं। घायल पटेल वेदांत अशोकभाई (17), को प्राथमिक उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भटवाड़ी लाया गया।

पटाखों के गोदाम में धमाका, 2 की मौत

नागौर। राजस्थान के नागौर जिले के बड़ली इलाके में गुरुवार सुबह पटाखों के गोदाम में हुए भीषण



विस्फोट में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों मृतक आपस में चचेरे भाई थे और नागौर शहर के बाजरवाड़ा इलाके के रहने वाले थे। धमाका इतना जोरदार था कि गोदाम की छत उड़ गई और आसपास के मकानों की दीवारों में दरारें आ गईं। घटनास्थल से करीब 100 फीट दूर खड़ी बस के शीशे तक टूट गए। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी के कारण विस्फोट होने की आशंका जताई जा रही है।

पैलेट गनः बनाई गई 5 सदस्यीय कमेटी

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक के



आरोपों को लेकर हुए छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की ज्यादतियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने पुलिस की कार्रवाई से जुड़े आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग, पैलेट गन से लगी चोटों, महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा, निगरानी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों की जांच करेगी। कोर्ट पुलिस की जवाबदेही और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन के संवैधानिक अधिकार से जुड़े व्यापक

ट्रंप ने अपने करीबी सलाहकारों से मांगी सलाह

मध्यावधि चुनाव में हार के बाद ट्रंप प्रशासन में बड़े फेरबदल की अटकलें

विदेश मंत्री रुबियो की जगह लेंगे सर्जियो गोर! पीट हेगसेथ की रक्षा मंत्री पद से होगी रवानगी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में बड़े बदलावों की अटकलें तेज हो गई हैं। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अमेरिका के राजदूत और ट्रंप के करीबी सर्जियो गोर को बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है। उन्हें सरकार में किसी वरिष्ठ पद पर नियुक्त किया जा सकता है। रिपोर्ट में 10 लोगों के हवाले से बताया गया है कि गोर अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हासिल करना चाहते हैं। मामले से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि गोर ऐसी भूमिका चाहते हैं, जिसमें उनकी सार्वजनिक मौजूदगी ज्यादा हो।

रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी बढ़ी कलह

गोर का नाम व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उत्तराधिकारी के तौर पर भी सामने आया है। इसके अलावा, वह विदेश विभाग में उप विदेश मंत्री क्रिस लैडी की जगह लेने जैसे दूसरे वरिष्ठ पदों पर भी विचार कर सकते हैं। बता दें, सर्जियो गोर पहले व्हाइट हाउस में वरिष्ठ सहयोगी के तौर पर काम कर चुके हैं और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी माने जाते हैं।

एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि गोर ऐसी भूमिका चाहते हैं, जिसमें उनकी सार्वजनिक मौजूदगी ज्यादा हो। गोर का नाम व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उत्तराधिकारी के तौर पर भी सामने आया है। इसके अलावा, वह विदेश विभाग में उप विदेश मंत्री क्रिस लैडी की जगह लेने जैसे दूसरे वरिष्ठ पदों पर भी विचार कर सकते हैं


डोनाल्ड ट्रंप


सर्जियो गोर


मार्को रुबियो


पीट हेगसेथ

हार का प्रमुख कारण ईरान से युद्ध

वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को हटाने पर विचार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के कारणों में सबसे प्रमुख ईरान युद्ध को बताया जा रहा है। यही वजह है कि ट्रंप रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को हटाने पर विचार कर रहे हैं और उन्होंने इसके लिए अपने खैरख्वाहों से सलाह मांगी है। हालांकि, हेगसेथ को पद से हटाने को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। मध्यावधि चुनाव में बुरी तरह से पहले भी विपक्षी सांसद हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग कर चुके हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी को कांग्रेस के दोनों सदनों में मजबूत बहुमत मिलने के बाद हेगसेथ पर रक्षाधीन दबाव बढ़ने और उनके खिलाफ महाभियोग की कार्रवाही शुरू होने की संभावना भी बढ़ गई है।

ट्रंप और व्हाइट हाउस ने दावों को किया खारिज

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या हेगसेथ टेकेसी की खाली सीनेट सीट भरने के लिए सीनेट में जा सकते हैं, तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अगर वह ऐसा करते हैं तो वह काफी लोकप्रिय होंगे। वहीं व्हाइट हाउस ने भी रक्षा मंत्री के पद पर किसी तरह के खतरे की अटकलों को खारिज किया है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अल्ना केली ने आधिकारिक बयान में कहा कि राष्ट्रपति को मंत्री हेगसेथ पर पूरा भरोसा है। केली ने ईरान और वेनेजुएला में प्रशासन की सैन्य कार्रवाइयों का भी बचाव किया। साथ ही उन्होंने पिछले प्रशासन की ओर से शुरू की गई विविधता और समानता से जुड़ी पहलों को खत्म करने के हेगसेथ के प्रयासों की सराहना की।

खबर पूरी तरह बकवासः गोर

हालांकि, सर्जियो गोर और अमेरिकी प्रशासन के प्रतिनिधियों ने इन खबरों को खारिज किया है। गोर ने एक बयान में कहा कि यह खबर पूरी तरह और बिल्कुल बकवास है। उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तारीफ करते हुए कहा कि सेक्रेटरी मार्को रुबियो ने साबित किया है कि वह इतिहास के सबसे योग्य, उपलब्धियां हासिल करने वाले और महान विदेश मंत्री हैं। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। वह मेरे प्रिय मित्र हैं और भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में हर दिन उनके साथ काम करना मेरे लिए खुशी की बात है। यह जीवन का एक सच्चा सम्मान है। मुझे किसी दूसरी भूमिका में कोई दिलचस्पी नहीं है। वहीं, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने भी इस रिपोर्ट को मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि गोर की किसी दूसरे पद में रुचि नहीं है।

शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर बढ़ा दबाव

व्हाइट हाउस के अधिकारियों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद सेना के शीर्ष अधिकारियों पर भी दबाव बढ़ सकता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन को भी ईरान युद्ध के संबंध में उनकी सलाहकारी भूमिका को लेकर संसद और जनता के कड़े सवालों का सामना करना पड़ सकता है।

हेगसेथ की जगह ले सकते हैं ये नेता

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीट हेगसेथ की जगह लेने वाले नामों पर भी चर्चा शुरू हो गई है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस इस पद के संभावित उम्मीदवारों में शामिल हैं। माना जा रहा है कि डीसैंटिस का नाम सीनेट से मंजूरी हासिल कर सकता है। वह पांच जनवरी को अपना गवर्नर पद छोड़ने वाले हैं। ऐसे में उनके कार्यकाल के खत्म होने के बाद रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने की संभावना जताई जा रही है।


राष्ट्रपति हर्जोग विभिन्न दलों से चर्चा करते हुए

इजराइल में सरकार बनाने की कवायद

दूसरे दिन भी राष्ट्रपति हर्जोग ने विभिन्न दलों से की बातचीत

- 4 सदस्यों का किसी को समर्थन नहीं देने का ऐलान
- 3 सदस्यों ने अभी तक रुख स्पष्ट नहीं किया
- आइसनकोट के चुने जाने की अधिक संभावना
- 26वीं संसद का पहला सत्र 10 नवंबर को होगा

एजेंसी ▶▶ यरूशलम

आम चुनाव के नतीजों में किसी भी दल या गठबंधन के स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के बाद इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने संसद (नेसेट) के विभिन्न गुटों के साथ राजनीतिक परामर्श का दूसरा दिन शुरू कर दिया है। इन चर्चाओं का मकसद यह है कि देश की अगली सरकार बनाने वाला कौन सा नेता सबसे उपयुक्त है। ये औपचारिक बैठकें मंगलवार शाम को छोटे संसदीय गुटों के साथ शुरू हुई थीं।

जनादेश के लिए चर्चा

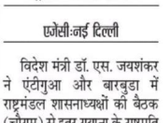
राष्ट्रपति हर पार्टी से पूछते हैं कि वे पीएम पद के लिए किस उम्मीदवार का समर्थन करते हैं। इसके आधार पर वे फैसला करते हैं कि किस राजनीतिक नेता को सरकार बनाने का पहला मौका (जनादेश) दिया जाए। उन्हें उस नेता को आमंत्रित करना होता है जिसके पास सरकार बनाने की सबसे अधिक संभावना हो।

आइसनकोट के पक्ष में गुट रहे दल

दूसरी ओर, याशर, दे डेमोक्रेट्स, शैयावाद और राआम ने गादी आइजेनकोट का समर्थन करने की बात कही है। एविडोर लिबरमैन के नेतृत्व वाली यिसरायल बेतेनु पार्टी ने भी अगली सरकार बनाने के लिए आइसेनकोट को अपना पसंदीदा उम्मीदवार बताया है। यूआइटेड तोराह जुडाइज्म के 'वेनेल हातोराह' गुट के चार प्रतिनिधियों ने किसी भी उम्मीदवार को समर्थन न देने की घोषणा की है, 'अगुदात यिसराएल' के सातों 3 सदस्यों ने अभी तक अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है।

5000 मिलियन यूएस डॉलर की मदद

गुयाना में भी शुरू होगा यूपीआई जयशंकर ने किए 3 एमओयू

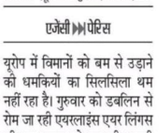

राष्ट्रपति अली और जयशंकर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एंटीगुआ और बारबुडा में राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक (चोगम) से इतर गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों ने भारत और गुयाना के बीच द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक में व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा, कृषि, बुनियादी ढांचे का विकास, डिजिटल तकनीक और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान भारत और गुयाना के बीच तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

बम की धमकी से हवा में हड़कंप

डबलिन-रोम फ्लाइट ने फ्रांस के सैन्य अड्डे पर की इमरजेंसी लैंडिंग


फ्रांस के एयू सैन्य अड्डे पर एयरबस ए320

एजेंसी ▶▶ पेरिस

यूरोप में विमानों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला थम नहीं रहा है। गुरुवार को डबलिन से रोम जा रही एयरलाइंस एयर लिंगस की एक उड़ान को बम की धमकी मिलने के बाद फ्रांस की ओर मोडना पड़ा। एयरबस ए320 विमान को फ्रांस के नॉर्मैंडी क्षेत्र में स्थित एयू सैन्य एयरबेस पर उतारा गया। घटना के बाद फ्रांस की सरकार और पीएम सेबास्टियन लेकोर्नू का कार्यालय स्थिति पर नजर रख रहा है। पिछले कुछ दिनों में यूरोप की कई उड़ानों को इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। इससे हवाई यातायात और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हालांकि, शुरुआती जानकारी में धमकी के स्रोत या उसकी प्रकृति के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई।

'मलाबार-2026' में भाग लेने जापान पहुंचा सह्याद्रि

चार देशों की नौसेनाएं दिखाएंगी समुद्री ताकत

नई दिल्ली। भारत का स्वदेशी





एटा में तैनात आईएनएस सह्याद्रि बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास 'मलाबार-2026' में हिस्सा लेने के लिए जापान पहुंच गया है। यह गाइडेड मिसाइलों से लैस स्टील्थ फ्रिगेट है व भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े का हिस्सा है। भारतीय नौसेना ने बताया कि आईएनएस सह्याद्रि 4 नवंबर को जापान के योकोसुका नौसैनिक अड्डे पर पहुंचा है। यहां नौसैनिक अभ्यास मालाबार 2026' में भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाएं हिस्सा ले रही हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनीष अग्रवाल आ० स्व० चिरंजीलाल, उम्र-75 वर्ष, निवासी विजय मार्ग अंधारी बगीचा, था०नह० अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि आवेदक के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला अंधारी बगीचा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं. 1050 रकबा 0.85 ऐकड़ भूमि है। उक्त भूमि के सह खातेदार आवेदक की माता श्रीमती विमला देवी की मृत्यु हो गई है तथा सह खातेदार विजय कुमार की भी अविवाहित मृत्यु हो गई है। तपरांत उक्त भूमि से मृतक खातेदारों का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदक द्वारा आवेदित भूमि के मेंटनेंस खसरा एवं मृतक खातेदारों के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-25/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनीष अग्रवाल आ. स्व. बलवंत राय अग्रवाल, उम्र लगभग 48 वर्ष, जाति- अग्रवाल निवासी वार्ड नं. 37 कुण्डला सिटी था०नह० अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक शनि कुमार गोयल आ. देवप्रकाश गोयल, उम्र-40 वर्ष जाति-अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड नं. 38 बरेजपारा था०नह० अम्बिकापुर के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला- बाबूपारा मौलवीबांध शीट नं. 09 स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं. 3467/4866/349 रकबा 1665 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 01.10.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर क्रय की गई उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-25/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

छ.स्टेट.पॉवर.डिस्ट्री.कं.लिमि.अंबिकापुर

(छ० रा० वि० मं०, की उत्तरदायी कम्पनी)

आवश्यक-सूचना

अंबिकापुर (शहर) संभाग क्षेत्रांतर्गत के समस्त सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि, दिनांक 08.11.2026 को दीपावली के पावन पर्व पर विद्युत अवरोध होने पर त्वरित निराकरण हेतु निम्नलिखित स्थानों पर अतिरिक्त अस्थायी फ्यूज काल केन्द्र की व्यवस्था की गयी है।

क्र.	अस्थाई फ्यूज काल केन्द्र	लाईन कर्मचारियों का नाम एवं श्री	मोबाईल नंबर	कार्यक्षेत्र
1	पावर हाउस	बरनाबास लकड़ा, बिहारी, रामन राम कृष्णा,अमरदीप	9201991755 9201991766 9201993084	बीरोपारा, कलेक्ट्रेड बंगला, गुदरी चौक, पुलिस कन्ट्रोल रूम, खैरबार एवं घुटरापारा आदि।
2	महामाया चौक/ महामाया मंदिर	देवीशरण निरंजन भगत	9201991758 9201991771	महामाया पारा, नवागढ़, श्रीनगर, खरसिया चौक, दरिगा मोड आदि।
3	घंटी चौक	राजबहादुर राहुल सिंह	9201991752 9201991767	चित्र मंदिर, महाराजा गली, सतीपारा, गांधी चौक, धोपाटी,लोढ़ा पीपल, मिशन चौक एवं जगन्नाथ मंदिर आदि।
4	लरंग राय चौक	अनुराग पैकरा दशरथ राजवाडे	9201991745 9201991769	रोनपुर, बीरोपारा, तलिया रोड, प्रतापपुर नाका एवं आस पास के क्षेत्र इत्यादी।
5	एकता हास्पीटल	सादीप गड़वीर	9201993086	त्रिकोण चौक, प्रतापपुर चौक, शंकर फूट जनपद एवं विश्वकर्मा गैराज आदि।
6	ब्रम्ह मंदिर	रमेश चौहा प्रेम मिंज	7999314989 6261404816	ब्रम्ह मंदिर, बरांत गली, संगम चौक, दिवान तालाब आदि।
7	खरसिया चौक	तिलेश्वर राम कलेश्वर राम	9201991753 8959227897	खरसिया चौक, भारतमाता चौक सोटल पर्पल ऑर्गेनिट आदि।
8	अधरोन चौक	रीतु राज पैकरा	7241151012	देवेश्वर कालोनी एप अधेसन चौक आदि।
9	जिला अस्पताल	सतीश खाखा अमन राज	9201991772 6260628363	मातु पारा, दरौंपारा, जिला अस्पताल,प्रकाश हस्पीटल आदि।
10	बिलासपुर चौक	कमलेश पाण्डेय	9826343038	बिलासपुर चौक,गठपारा,बंजारी, कचहरापार्क, हनुमान मंदिर आदि।
11	तुलसी चौक गंगापुर	गोपीचंद राम जीतेन्द्र	6260737185 7999642509	गंगापुर, मेडिकल कालेज तुलसी चौक, मालापारा आदि।
12	ग्रेमरी स्कूल गोधनपुर	रामपा पैकरा	9171042007	गोधनपुर, महुआपारा, मुक्तिधारा, वसुन्धरा बिहार एव कथा फैक्ट्री आदि।
13	माखन विहार	सुशील लकड़ा	8770168916	एमा.जी.ए रोड,विशुनपुर व अजिरमा इत्यादी।
14	कार्मल रकुल	दोमनिक टोप्पो	9009231794	नमनाकला, झनझटपारा, खटीकपारा आदि।
15	आकाशवाणी चौक	दिनेश यादव	7974781388	रिक्षाधारी कालोनी, चोपड़ापारा, उर्सुलाईन आकाशवाणी कालोनी, गयापारा, आदि।
16	बनारस चौक	कुलदीप कुमार समीर तिर्की	9111123831 9753897587	बनारस चौक,दत्ता कालोनी एव आस पास का क्षेत्र इत्यादी।
17	ग्रुप ऑफ कॉल गांधीनगर	राजेश्वरा विश्वकर्मा ठाकुर प्रसाद	9201991744 9302480921	विद्युत कालोनी, राजेन्द्र नगर, बनारस रोड, गांधीनगर, सुभाषनगर फुन्दूडिहारी आदि।

विद्युत लाईनो एवं उपकरणो के समीप अतिशबाजी न करें
'स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाएँ'
'दिपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ'

कार्यपालन मंत्री (शहर) संभाग
छ०स्टे०पा०डि०कं०लिमि, अंबिकापुर

सरकार करेगी नियमों में बदलाव, तय होगी जवाबदेही

यूजर्स पोस्ट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म होंगे जिम्मेदार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आज के दौर में हर कोई सोशल मीडिया का इस्तेमाल करता है, इसमें लोगों की उम्र की सीमा भी मैटर नहीं करती है। लोग सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से चैटिंग करते हैं, वीडियो-फोटो अपलोड करते हैं। लोग उन पर कमेंट्स भी करते हैं, लेकिन उस कमेंट की जिम्मेदारी यूजर्स की होती है। अब आने वाले समय में फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स जैसी कंपनियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। केंद्र सरकार इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म करने पर विचार कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस सुरक्षा से मेटा, गूगल और X जैसी कंपनियों को यूजर-जनरेटेड कंटेंट पर बड़े कारोबार खड़े करने में मदद की है। उन्हें हर पोस्ट, वीडियो या कमेंट की कानूनी जिम्मेदारी नहीं उठानी पड़ती।



चल रही है चर्चा : केंद्र सरकार का सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय सोशल मीडिया से जुड़े नियमों में बदलाव पर चर्चा कर रहा है। इसके तहत फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और X जैसे प्लेटफॉर्म्स को यूजर्स के कंटेंट के लिए भी जिम्मेदार बनाया जा सकता है। फिलहाल ये प्रस्ताव विचार के स्तर पर है, अभी सरकार ने इस बारे में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। लेकिन, अगर ऐसा होता है तो यूजर्स की पोस्ट, वीडियो और कमेंट को लेकर प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही भी तय हो सकती है।

धान खरीद शून्य मिलने पर डीएम सख्त, क्रय केंद्र प्रभारियों से मांगा जवाब

जालौन। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ दिलाने में लापरवाही सामने आने पर जिलाधिकारी समीर ने सख्त रुख अपनाया है। धान खरीद की समीक्षा में जनपद के सभी निर्धारित क्रय केंद्रों पर खरीद शून्य पाए जाने पर डीएम ने संबंधित केंद्र प्रभारियों से स्पष्टीकरण तलब किया है। साथ ही सभी क्रय केंद्रों को तत्काल सक्रिय कर किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने धान, ज्वार और बाजरा खरीद की केंद्रवार समीक्षा की। इस दौरान खाद्य विपणन अधिकारी रुचिता ओमर ने बताया कि शासन ने धान कॉमन का समर्थन मूल्य 2441 रुपये और ग्रेड-ए का 2461 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया है। धान खरीद के लिए जनपद में 800 मीट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया है। उरई, जालौन और माधोगढ़ में क्रय केंद्र स्थापित होने के बावजूद अब तक खरीद शुरू नहीं हुई है। ज्वार खरीद के लिए 14,500 मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 12 क्रय केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें अब तक कुल 849 कुंतल ज्वार की खरीद हुई है, जबकि छह केंद्रों पर खरीद शुरू नहीं हो सकी है। ज्वार हाइब्रिड का समर्थन मूल्य 4023 रुपये और मालदण्डी का 4073 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है। इसी प्रकार बाजरा खरीद के लिए 3,000 मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित है। जनपद में 12 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं, लेकिन अब तक मात्र 32.50 कुंतल बाजरे की खरीद हो सकी है।

15 नवंबर को छत्तीसगढ़ आएंगे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, धरमजयगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में होंगे शामिल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



रायपुर,। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर को भारतीय जनता पार्टी का बड़ा राजनीतिक और संगठनात्मक जमावड़ा होने जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन इस दिन रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ पहुंचेंगे। वे यहां भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित प्रदेश स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद नितिन नबीन का यह पहला छत्तीसगढ़ दौरा होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आमंत्रण पर उनका प्रदेश आगमन प्रस्तावित है। नितिन नबीन के दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा संगठन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। उनके स्वागत और कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों की भी कार्यक्रम में मौजूदगी प्रस्तावित है।

11 नवंबर को धरमजयगढ़ पहुंचेंगी स्मृति ईरानी

आदिवासी नायकों के योगदान को सम्मान देने का आयोजन

जनजातीय गौरव दिवस प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाया जाता है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 में इस दिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नायकों के योगदान को सम्मान देना और जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं तथा विरासत को पहचान दिलाना है। भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ आदिवासी समाज को संगठित कर उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व किया था। यही वजह है कि 15 नवंबर का दिन जनजातीय समाज के लिए विशेष महत्व रखता है।

भाजपा संगठन के लिहाज से अहम दौरा

छत्तीसगढ़ आदिवासी बहुल राज्य है। ऐसे में जनजातीय गौरव दिवस पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का धरमजयगढ़ पहुंचना राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय नेतृत्व की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम के जरिए पार्टी जनजातीय समाज के बीच अपनी पहुंच और संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने का संदेश दे सकती है। अब सबकी नजरें 11 नवंबर को स्मृति ईरानी के प्रस्तावित दौरे और 15 नवंबर को होने वाले प्रदेश स्तरीय आयोजन पर टिकी हैं।

नाबालिग लड़कियों के बीच मारपीट का वीडियो वायरल, सरकंडा में हड़कंप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर - शहर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां नाबालिग युवतियों के बीच मारपीट की घटना हुई है। इस पूरी घटना के दो अलग-अलग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद शहर के लोगों में काफी चिंता देखी जा रही है। वायरल वीडियो सरकंडा थाना क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। एक वीडियो बहतराई इलाके का बताया जा रहा है। वहीं दूसरा वीडियो भूकंप अटल आवास क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। दोनों ही वीडियो में नाबालिग लड़कियां आपस में बहस और मारपीट करती दिख रही हैं।

सरकंडा क्षेत्र में मचा हड़कंप

घटना के बाद से सरकंडा इलाके में चर्चा का माहौल गरम है। स्थानीय लोग इस घटना को लेकर काफी परेशान हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि विवाद काफी बढ़ गया था। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि विवाद की असली वजह क्या थी। वीडियो की तारीख और समय को लेकर भी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस की टीम अब इन वायरल वीडियो की पड़ताल में लग गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह वीडियो कब के हैं।



अटल आवास में नशाखोरी की शिकायत

भूकंप अटल आवास क्षेत्र में पहले भी ऐसी शिकायतें आती रही हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यहां असामाजिक तत्व सक्रिय रहते हैं। क्षेत्र में नशाखोरी और अवैध गतिविधियों की शिकायतें बार-बार मिलती रही हैं। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा और बढ़ गया है। लोग अब पुलिस की गश्त और निगरानी पर सवाल उठा रहे हैं। निवासियों का कहना है कि समय पर पुलिस कार्रवाई न होने से ऐसे मामले बढ़ रहे हैं।

पुलिस की कार्रवाई पर टिकी नजरें

सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से शेयर किए जा रहे हैं। लोग पुलिस प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। इस मामले में पुलिस जल्द ही स्थिति साफ कर सकती है।पुलिस अब वीडियो के आधार पर लड़कियों की पहचान करने में जुटी है। परिजनों से भी पूछताछ की जा सकती है।शहर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग लगातार उठ रही है।

वन्यजीव तस्करी का भंडाफोड़, पैंगोलिन के शल्क और तेंदुए की खाल बरामद, 6 गिरफ्तार

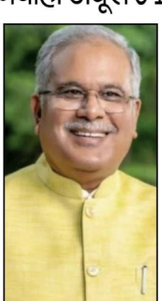
छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



बीजापुर,। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में वन्यजीवों के अवैध शिकार और तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभागीय टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर पैंगोलिन के 9.260 किलोग्राम शल्क और तेंदुए की एक खाल बरामद की है। मामले में कुल 6 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, पहली कार्रवाई गंगालूर तहसील के ग्राम रेड्डी में की गई, जहां से पैंगोलिन के शल्क बरामद हुए और 4 लोगों को हिरासत में लिया गया।इनसे पूछताछ के दौरान मिले सुरागों के आधार पर टीम ने बासागुड़ा क्षेत्र के ग्राम मल्लेपल्ली में दूसरी कार्रवाई की। यहां से तेंदुए की खाल बरामद कर 2 अन्य आरोपियों को पकड़ा गया। वन विभाग के अनुसार, पैंगोलिन और तेंदुआ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I में शामिल संरक्षित प्रजातियां हैं। इनके शिकार और अवैध व्यापार पर सख्त कानूनी प्रावधान हैं। विभाग ने सभी आरोपियों के खिलाफ वन अपराध दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

भूपेश बघेल के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई, विजय बघेल की गवाही अधूरी 0 16 नवंबर से फिर शुरू होगी गवाही

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



बिलासपुर,।छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विधानसभा निर्वाचन को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका पर शुक्रवार को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता एवं दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल की गवाही शुरू हुई, लेकिन समयाभाव के कारण उनकी गवाही पूरी नहीं हो सकी। अब इस मामले में 16 नवंबर से आगे की गवाही दर्ज की जाएगी। दरअसल, विजय बघेल ने 2023 के पाटन विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल के निर्वाचन को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव के दौरान भूपेश बघेल ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया था। विजय बघेल ने दावा किया है कि मतदान से पहले लागू 48 घंटे की प्रचार-निषेध अवधि के दौरान निर्वाचन क्षेत्र में रैली निकाली गई थी।

निर्वाचन शून्य घोषित करने की मांग

विजय बघेल ने अपनी याचिका में भूपेश बघेल का निर्वाचन शून्य घोषित करने की मांग की है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को हाईकोर्ट में उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू हुई। हालांकि, निर्धारित समय में गवाही पूरी नहीं हो सकी, जिसके चलते अगली सुनवाई में शेष बयान दर्ज किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था मामला

इस चुनाव याचिका पर भूपेश बघेल की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई थी। बचाव पक्ष का तर्क था कि चुनाव याचिका निर्धारित समय-सीमा के बाद दाखिल की गई है। इस आपत्ति को लेकर कानूनी प्रक्रिया के दौरान मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अब हाईकोर्ट में चुनाव याचिका पर आगे की सुनवाई हो रही है। फिलहाल सभी की निगाहें 16 नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हैं।

बेटे की कस्टडी पिता को देने से हाईकोर्ट का इनकार, मुलाकात के लिए मां की सहमति जरूरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 7 साल के बच्चे की अभिरक्षा पिता को सौंपने की मांग खारिज कर दी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बच्चे की कस्टडी का फैसला माता-पिता के अधिकारों के आधार पर नहीं, बल्कि उसके हित और कल्याण को ध्यान में रखकर किया जाएगा। हालांकि, पिता को बच्चे से मिलने की अनुमति दी गई है। जस्टिस सुषमा सावंत की पीठ ने बलौदाबाजार निवासी पिता की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा कि पिता सार्वजनिक स्थान पर बेटे से मिलने का अनुरोध कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें पहले मां को सूचना देनी होगी और मुलाकात के समय व स्थान पर उनकी सहमति लेना अनिवार्य होगा। दरअसल, पिता ने पारिवारिक न्यायालय के 27 अगस्त 2024 के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उनका विवाह 28 अप्रैल 2015 को हुआ था और 7 फरवरी 2022 को दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद से बच्चा अपनी मां के साथ रह रहा है। पेशे से शिक्षक पिता ने दावा किया था कि वह बेटे को बेहतर शिक्षा और देखभाल दे सकते हैं। वहीं, मां ने कोर्ट को बताया कि वह बच्चे की पढ़ाई और परवरिश की जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिता ने जन्म के बाद से बच्चे की देखभाल में विशेष रुचि नहीं दिखाई और भरण-पोषण की राशि भी नियमित रूप से नहीं दी। हाईकोर्ट ने पाया कि बच्चा दूसरी कक्षा में पढ़ रहा है और मां ने उसकी स्कूल फीस की रसीदें भी प्रस्तुत की हैं। कोर्ट के मुताबिक, पिता का शिक्षक होना या बेहतर शिक्षा देने की क्षमता रखना अपने आप में बच्चे की कस्टडी बदलने का पर्याप्त आधार नहीं है। सुनवाई के दौरान यह भी सामने आया कि बच्चे का पिता के साथ बचपन से सार्थक संपर्क नहीं रहा है। पारिवारिक न्यायालय में पेशी के दौरान भी बच्चे ने पिता के साथ जाने की इच्छा जाहिर नहीं की थी। कोर्ट ने माना कि मौजूदा परिस्थितियों में बच्चे का वातावरण बदलना उचित नहीं होगा। साथ ही, नियमित रूप से मुलाकात का समय निर्धारित करने से माता-पिता के बीच विवाद और बच्चे पर मानसिक दबाव बढ़ ? की आशंका जताई। हाईकोर्ट ने मां से अपेक्षा की है कि वे बच्चे के हित को प्राथमिकता देते हुए पिता की मुलाकात संबंधी मांग पर सद्भावनापूर्वक विचार करें।

सारंगढ़ में बाघ की आहट, कनकबीरा से सिंघारी तक मिले पदचिह्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सारंगढ़-बिलाईगढ़ ।जिले के ग्रामीण अंचलों में बाघ के विचरण की लगातार मिल रही खबरों से दहशत का माहौल है। कनकबीरा के रामटेक क्षेत्र से लेकर बरमकेला ब्लॉक के सिंघारी गांव तक अलग-अलग स्थानों पर बाघ के पदचिह्न मिलने की सूचना सामने आई है। वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर पदचिह्नों की जांच कर रहा है, लेकिन बाघ की वास्तविक लोकेशन और उसके विचरण की दिशा अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, सबसे पहले कनकबीरा के रामटेक क्षेत्र में बाघ के पदचिह्न मिलने की सूचना मिली थी। इसके बाद छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा से लगे बरमकेला ब्लॉक के बरधरा चौक और खैरगढ़ी के आसपास भी पदचिह्न देखे जाने की खबर सामने आई। अब सिंघारी गांव में किसान गंगाराम पटेल के खेत में पदचिह्न मिलने की सूचना से ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है।

किस दिशा में बढ़ रहा बाघ, बना सवाल

अलग-अलग इलाकों में पदचिह्न मिलने से ग्रामीणों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि बाघ आखिर किस दिशा में विचरण कर रहा है। क्या वह गांवों के आसपास मौजूद है या जंगलों के रास्ते एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जा रहा है ? फिलहाल इन सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं मिल पाया है। लगातार मिल रही सूचनाओं के बीच वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।



ग्रामीणों का कहना है कि वे पदचिह्न मिलने की जानकारी विभाग को दे रहे हैं और वन अमला मौके पर पहुंचकर जांच भी कर रहा है, लेकिन बाघ की गतिविधियों और उसकी मौजूदा लोकेशन को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

किसानों और मवेशी चराने वालों में चिंता

बाघ की मौजूदगी की आशंका से खेतों में काम करने वाले किसान, जंगल के आसपास रहने वाले ग्रामीण और मवेशी चराने जाने वाले लोग खासे चिंतित हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि केवल पदचिह्नों की जांच तक सीमित रहने के बजाय कैमरा ट्रैप, नियमित गश्त और विशेष निगरानी दल के जरिए बाघ की लोकेशन का पता लगाया जाए। इसके साथ ही प्रभावित गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क रहने के निर्देश देने की मांग भी की गई है। ग्रामीणों की चिंता अब केवल बाघ के पदचिह्नों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें अपनी और अपने मवेशियों की सुरक्षा की फिक्र सता रही है। ऐसे में वन विभाग के सामने चुनौती है कि वह जल्द बाघ की गतिविधियों का पता लगाकर ग्रामीणों को जरूरी सुरक्षा उपायों की जानकारी दे।

धनतेरस पर दर्दनाक हादसा: हाईटेंशन तार की चपेट में आए पिता-पुत्र की मौत, मां गंभीर



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलौदाबाजार,।छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में धनतेरस के दिन एक दर्दनाक हादसे में पिता और बेटे की जान चली गई, जबकि मां गंभीर रूप से झुलस गईं। महिला को बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, घटना नेहरू चौक की है, जहां एक मकान के बाहर से महज पांच फीट की दूरी पर हाईटेंशन बिजली लाइन गुजर रही है। बताया जा रहा है कि राकेश गुप्ता सबसे पहले बिजली की चपेट में आए। उन्हें बचाने की कोशिश में उनकी पत्नी वर्षा और बेटा ईशान भी करंट की चपेट में आ गए। हादसे में राकेश गुप्ता और उनके बेटे ईशान की मौत हो गई, जबकि वर्षा गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रायपुर रेफर किया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं, घर के बेहद करीब से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर अनाचार करने का आरोप, आरोपी गिरफ्तार



जांजगीर, (एजेंसी)। नाबालिग बालिका को शादी का झांसा देकर उसके साथ अनाचार करने के मामले में जांजगीर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान भुवन साहू, निवासी वार्ड क्रमांक 6 खोरसी, थाना शिवरीनारायण के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, 19 अक्टूबर 2026 को नाबालिग बालिका को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले जाने की सूचना पर थाना सिटी कोतवाली जांजगीर में अपराध क्रमांक 862/2026, धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बालिका की लगातार पतासाजी की और उसे सकुशल बरामद कर लिया।

विवेचना के दौरान सामने आया कि आरोपी भुवन साहू ने बालिका को शादी का झांसा देकर उसके साथ अनाचार किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में की गई। कार्रवाई में उपनिरीक्षक बेलसज्जर लकड़ा, सहायक उपनिरीक्षक अरुण सिंह, मुकेश पाण्डेय, प्रधान आरक्षक अनिल सिंह एवं आरक्षक दिलीप सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

शिक्षा की गुणवत्ता और परीक्षा परिणामों में सुधार को लेकर कलेक्टर सख्त

त्रैमासिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा बैठक लेकर सुधार के दिए निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति एवं बोर्ड परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में त्रैमासिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विद्यालयवार परीक्षा परिणामों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों तथा छात्रावासों की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं प्राचार्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कलेक्टर श्रीमती जमील ने विद्यालयों में विद्यार्थियों की अपेक्षाकृत कम उपस्थिति एवं शिक्षकों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी प्राचार्यों को विद्यालयों में अनुशासन एवं शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के लिए अपने प्रशासनिक अधिकारों का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करें तथा शिक्षकों की नियमित उपस्थिति की सतत निगरानी करें। कलेक्टर ने परीक्षा की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक अवकाश पर नियंत्रण रखने के भी निर्देश दिए।कलेक्टर ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के त्रैमासिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए



कमजोर प्रदर्शन वाले विद्यालयों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गत वर्ष की तुलना में परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों में सुधार के लिए प्रत्येक सप्ताह टेस्ट सीरीज आयोजित करने तथा उसके परिणामों का नियमित विश्लेषण करने के निर्देश दिए। साथ ही अतिरिक्त कक्षाओं एवं विशेष शिक्षण गतिविधियों के संचालन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आगामी समीक्षा बैठक में विद्यालयवार प्रगति परिलक्षित होनी चाहिए।बैठक में कलेक्टर ने परीक्षा साथी पोर्टल पर विद्यार्थियों के पंजीयन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध निःशुल्क शैक्षणिक कक्षाओं एवं अध्ययन सुविधाओं का अधिकाधिक विद्यार्थियों को लाभ दिलाएं। साथ ही उन्होंने उच्चस्तरीय कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती जमील ने छात्रावासों में स्वीकृत सीटों, विद्यार्थियों के प्रवेश एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावास अधीक्षिकाओं का छात्रावास परिसर में ही निवास करना अनिवार्य है। विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावासों की नियमित निगरानी करने तथा प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए प्राचार्यों, शिक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने आगामी समीक्षा बैठक तक सभी विद्यालयों में शैक्षणिक प्रदर्शन, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं परीक्षा परिणामों में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा, डिप्टी कलेक्टर यशवंत देवांगन सहित संबंधित अधिकारीगण एवं प्राचार्य उपस्थित थे।

जिले भर में आज एक दीप साक्षरता का अभियान

साक्षरता का संदेश लेकर घर-घर जलेगा ज्ञान का दीप



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वर्ष 2026-27 में प्रदेश को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने के लक्ष्य के साथ उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में समाज में साक्षरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा असाक्षर वयस्कों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से दीपावली के ठीक एक दिन पूर्व सूरजपुर जिले में एक दीप साक्षरता का जनजागरूकता अभियान आयोजित किया जाएगा।कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में इस विशेष अभियान के अंतर्गत दीपावली की पूर्व संध्या पर सायं 06:30 बजे से 07:30 बजे तक जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों, छात्रावासों, विकासखंड कार्यालयों एवं उल्लास साक्षरता केंद्रों में दीप प्रज्ज्वलित कर साक्षरता का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय द्वारा साक्षरता की शपथ भी ली जाएगी।कार्यक्रम के माध्यम से उल्लास एप पर पंजीकृत स्वयंसेवी शिक्षकों एवं असाक्षर व्यक्तियों को भी जोड़ा जाएगा तथा शिक्षा के महत्व, साक्षरता के लाभ एवं प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षित बनाने के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।जिला प्रशासन ने जिले के समस्त नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों एवं सामाजिक संगठनों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की है, ताकि दीपावली का पर्व केवल रोशनी का ही नहीं, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और जागरूकता का पर्व भी बन सके। इस दीपावली एक दीप साक्षरता के नाम जलाएं और शत-प्रतिशत साक्षर छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपना योगदान दें।

निर्वाचन साक्षरता क्लबों में 20 नवंबर तक होगी निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के स्कूलों एवं महाविद्यालयों में गठित निर्वाचन साक्षरता क्लबों (ईएलसी) के माध्यम से 2 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में ईएलसी विद्यार्थियों के लिए 800 से 1200 शब्दों की सीमा सुझाई गई है। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

जिले के सभी स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थी ले सकेंगे भाग

मतदाता सूची तैयार करने, ईवीएम एवं वीवीपैट, मतदान विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। यहां से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के शीर्ष 10 विद्यार्थी 16 से 18 नवंबर तक जिला स्तरीय फाइनल में शामिल होंगे, जिसमें अंतिम 10 विजेताओं का चयन किया जाएगा। परिणामों की घोषणा एवं प्रमाण पत्र वितरण 20 नवंबर तक होगा। जिला विजेताओं को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मेरिट प्रमाण पत्र दिए जाएंगे, वहीं सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र मिलेगा। प्रविष्टियां मौलिक होनी चाहिए; नकल अथवा एआई से तैयार प्रविष्टियां तथा किसी राजनीतिक दल, प्रत्याशी या विचारधारा का उल्लेख करने वाली सामग्री अमान्य होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि यह प्रतियोगिता युवाओं और भावी मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने तथा उनमें लोकतांत्रिक जागरूकता बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने जिले के सभी स्कूलों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यों और ईएलसी समन्वयकों को अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए विद्यार्थियों से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर पोटाश बम से जंगली सुअर का अवैध शिकार मामले में 4 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

गरियाबंद (मैनपुर), (एजेंसी)। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के सीतानदी अभयारण्य क्षेत्र के रिसगांव परिक्षेत्र अंतर्गत छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर आरक्षित वन क्षेत्र कक्ष क्रमांक 254-255 चिखलापानी नामक स्थान पर जंगली सुअर के अवैध शिकार के मामले में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है इस मामले में ओडिशा और कोंडागांव के आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था, जहां माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी व्यवहार न्यायालय द्वारा उन्हें न्यायिक रिमांड पर जिला जेल धमतरी भेज दिया गया था वन विभाग से मिली जानकारी अनुसार उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के रिसगांव परिक्षेत्र अंतर्गत छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा आरक्षित वन क्षेत्र में जंगली सुअर के अवैध शिकार से संबंधित वन अपराध प्रकरण क्रमांक 70/22 दिनांक 29.09.2026 के तहत वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-II के



सरल क्रमांक-23 के अंतर्गत कार्रवाई हुई। एक नर जंगली सुअर का विस्फोटक पदार्थ पोटाश बम से अवैध शिकार किया गया था इस मामले में मुख्य आरोपी भारत पिता रामजी राठौर निवासी कोरहबेडा, थाना-विश्रामपुरी, जिला-कोंडागांव के घर सर्च वारंट तलाशी के दौरान विभिन्न प्रकार की संदिग्ध विस्फोटक सामग्री मौके से बरामद की गई थी। आरोपी मौके से फरार थे, जिन्हें 29.10.2026 को वन अधिकारियों द्वारा उनके घर में दबिश देकर तहकीकात हेतु परिक्षेत्र कार्यालय रिसगांव मुख्यालय साकरा, जिला धमतरी लाया गया। उन्हें वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत गिरफ्तार कर 30.10.2026 को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया और न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल धमतरी दाखिल कराया गया। वही इस मामले में गिरफ्तार आरोपी नरसिंह पिता सोभासिंह निषाद, उम्र 50 वर्ष, मानसिंह पिता सोहन, उम्र 22 वर्ष, देवानंद उर्फ लैला पिता मंगतुरम, उम्र 49 वर्ष एवं शेषमल पिता बदगु उम्र 38 वर्ष सभी निवासी ग्राम-खिलौली, थाना-कुंदई, तहसील-रायगढ़, जिला-नबरंगपुर पकड़े गए हैं इन गिरफ्तार आरोपियों के परिजनों द्वारा माननीय न्यायालय नगरी (जिला धमतरी) में जमानत अर्जी पेश की गई थी, जिसे न्यायालय ने दिनांक 05.11.2026 को अस्वीकृत करते हुए खारिज कर दिया। इसी कड़ी में फरार आरोपी भगत पिता रतन गोंड (निवासी ग्राम-खिलौली, थाना-कुंदई, तहसील-रायगढ़, जिला-नबरंगपुर, ओडिशा) द्वारा जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्र न्यायालय धमतरी में अग्रिम जमानत आवेदन पेश किया गया था, जिसे सत्र न्यायालय धमतरी ने दिनांक 03.11.2026 को अस्वीकृत करते हुए खारिज कर दिया।

4.65 करोड़ रुपये की लागत से कंडेल में बन रहा महाविद्यालय, ग्रामीण युवाओं को मिलेगी उच्च शिक्षा की सुविधा

धमतरी, (एजेंसी)। ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की सुविधाओं का विस्तार करने के उद्देश्य से कंडेल में 4 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से महाविद्यालय का निर्माण कराया जा रहा है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति, लागत, नक्शे और प्रस्तावित संरचना का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पंचायत पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि महाविद्यालय शुरू होने से कंडेल और आसपास के गांवों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इससे विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवाओं को लाभ मिलेगा। महाविद्यालय के साथ पुस्तकालय जैसी सुविधाएं विकसित होने से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक अधोसंरचना का विकास



युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे क्षेत्र में शिक्षा का वातावरण मजबूत होगा और विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। कलेक्टर ने बताया कि कंडेल में गोदाम, पंचायत भवन, विवाह भवन और महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण सहित अन्य विकास कार्य भी किए जा रहे हैं। इनसे ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ सामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी निर्माण कार्यों में तकनीकी मापदंडों और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे हों, ताकि उनका लाभ आम नागरिकों और विद्यार्थियों तक पहुंच सके।

इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता सतिन्दर चहल, एसडीएम डॉ. कल्पना छव, एसडीओ मुरलीधर पैकरा, जनपद पंचायत धमतरी की सीईओ वर्षा रानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डिजिटल क्रॉप सर्वे में पारदर्शिता: ग्राम सभाओं में पढ़ी जा रहीं फसल प्रविष्टियां, 10 नवंबर तक होगा दावा-आपत्ति का निराकरण

★ किसानों की मौजूदगी में फसल गिरदावरी का वाचन, राजस्व अमले द्वारा किया जा रहा है ग्राम सभाओं का निरीक्षण ★ जिले में डिजिटल फसल सर्वे पर विशेष ग्राम सभाओं का सफल आयोजन, किसानों के सामने पढ़ी जा रही प्रविष्टियां

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफवर्ष 2026-27 के डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण (डीसीएस) एवं पी.व्ही. एप से की गई फसल गिरदावरी की जानकारी किसानों तक पहुंचाने के लिए जिले में विशेष ग्राम सभाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के आदेश पर 04 से 06 नवंबर तक जिले की सभी ग्राम पंचायतों के प्रत्येक ग्राम में आयोजित इन ग्राम सभाओं में डीसीएस के प्रथम एवं द्वितीय चरण की फसल प्रविष्टियों का किसानों की उपस्थिति में सार्वजनिक वाचन कर दावा-आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। सर्वेक्षण सूचियां ग्राम पंचायतों में अवलोकन के लिए भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे किसान अपनी फसल एवं खसरा संबंधी जानकारी का मिलान कर रहे हैं।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि इन ग्राम सभाओं के माध्यम से फसल सर्वेक्षण में पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है और किसानों को त्रुटि सुधार का अवसर मिल रहा है, ताकि धान खरीदी से पहले सभी प्रविष्टियां सही हो सकें और किसी किसान को धान विक्रय में परेशानी न हो। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि प्राप्त दावा-आपत्तियों का संबंधित तहसीलदार द्वारा परीक्षण कर 10 नवंबर तक अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए।





इसी क्रम में रामानुजगंज अनुविभाग के धौली व विभिन्न ग्राम (कुलुडीह, जम्वान्तपुर एवं सैल्जू इत्यादि) में आयोजित ग्राम सभाओं का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है, जहां डीसीएस एवं पी.व्ही. एप सर्वे सूची का वाचन कर किसानों से दावा-आपत्तियां प्राप्त की गईं। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी राजस्व अधिकारियों की निगरानी में यह प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो रही है।

प्रशासन ने किसानों से ग्राम सभा में पहुंचकर अपनी प्रविष्टियों का अवलोकन करने तथा त्रुटि पाए जाने पर निर्धारित अवधि में दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की अपील की है।

पावर कंपनियों में 1,501 पदों पर होगी भर्ती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की तीनों कंपनियों में बड़े पैमाने पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 38 प्रकार के पदों पर कुल 1,501 रिक्तियों के लिए विस्तृत भर्ती विज्ञापन 5 नवंबर 2026 को जारी कर पावर कंपनी की वेबसाइट "https://cspc.co.in" (https://cspc.co.in) पर अपलोड किया गया है। इनमें द्वितीय श्रेणी के 195 तथा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 1,306 पद शामिल हैं। सबसे अधिक पद कनिष्ठ अभियंता एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर के हैं। कनिष्ठ अभियंता इलेक्ट्रिकल के 167 पद हैं, जिनमें जनरेशन कंपनी के 11, ट्रांसमिशन कंपनी के 32 और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 124 पद शामिल हैं। इसी तरह डाटा एंट्री ऑपरेटर के 609 पद तीनों कंपनियों के क्रमशः 95, 64 और 450 पद हैं।

यह भर्ती छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के लिए की जाएगी। इसके लिए पूर्व में 7 अगस्त को जारी लघु विज्ञापन तथा 14 सितंबर को जारी संशोधन के तारतम्य में विस्तृत विज्ञापन जारी किया गया है।

जारी विज्ञापन के अनुसार ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 6 नवंबर को शाम 8 बजे से प्रारंभ होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 26 नवंबर की रात 11.55 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन शुल्क भी इसी तिथि और समय तक नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड अथवा यूपीआई के माध्यम से जमा किया जा सकेगा।

विज्ञापन के अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थी ही आवेदन करने के पात्र होंगे। प्रत्येक पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा एवं अन्य पात्रता संबंधी विस्तृत जानकारी भर्ती विज्ञापन में दी गई है। तीनों कंपनियों के साझा पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन में कंपनियों की प्राथमिकता का क्रम देना होगा। अंतिम चयन की मेरिट, अभ्यर्थी की प्राथमिकता तथा कंपनीवार रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर कंपनी आवंटित की जाएगी।

अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन की अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर लें तथा आवेदन करने से पहले पावर कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत भर्ती विज्ञापन एवं निर्देशों का अवलोकन अवश्य करें।

भर्ती में तकनीकी पदों के अंतर्गत सहायक अभियंता के मैकेनिकल (26), इलेक्ट्रिकल (92), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन (10), कंप्यूटर साइंस (2), सूचना प्रौद्योगिकी (2) तथा सिविल (20) के पद शामिल हैं। इसके अलावा फायर ऑफिसर (1), सुरक्षा अधिकारी (3), शिफ्ट केमिस्ट (6), प्रोग्रामर (3), कनिष्ठ अभियंता मैकेनिकल (12), इलेक्ट्रिकल (167), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन (9), कंप्यूटर साइंस (1), सूचना प्रौद्योगिकी (1) तथा सिविल (26) के पद हैं।

अन्य पदों में सब फायर ऑफिसर (6), सुरक्षा निरीक्षक (10), सुरक्षा उप निरीक्षक (19), अटेंडेंट (प्लांट) ग्रेड-III के अंतर्गत फिटर (84), टर्नर (36), इलेक्ट्रीशियन (90), इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक (45) एवं इलेक्ट्रॉनिक्स (45), फायर अटेंडेंट ग्रेड-II (45), डाटा एंट्री ऑपरेटर (609), लेखा अधिकारी/सहायक प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) (15), चिकित्सा अधिकारी (15), सहायक विधि अधिकारी (8), सहायक औद्योगिक संबंध अधिकारी (8), स्टेनोग्राफर ग्रेड-III अंग्रेजी (12) एवं हिंदी (13), सहायक लैब तकनीशियन (6), सहायक फार्मासिस्ट (25), सहायक स्टाफ नर्स (18), सहायक रेडियोग्राफर (3), सहायक ड्रेसर (5) तथा सहायक ईसीजी तकनीशियन (3) के पद शामिल हैं।

ढाबा में काम कर रही थी मां, मासूम बच्ची को कुत्ते ने काटा

एंटी रैबीज का डोज भी नहीं आया काम, इलाज के दौरान हो गई मौत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। कुत्ते के काटने के 10 दिन बाद दो साल की मासूम बच्ची की तबीयत बिगड़ गई। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कुत्ते के काटने के बाद बच्ची को एंटी रेबीज का इंजेक्शन भी लगाया गया था। पिछले 10 दिनों में रेबीज से होने वाली यह दूसरी मौत है।

जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिले के कल्याणपुर निवासी सीतागम गोंड की पत्नी से विवाद होने के बाद वह अपनी दो साल की बच्ची के साथ मायके चली गई थी। उसका मायका बलरामपुर जिले के छिंदिया में है। वह कुछ दिनों से बरियों के एक होटल में काम कर रही थी। करीब 10 दिन पहले वह बच्ची निर्मला को अपने साथ होटल ले गई थी।

होटल के बाहर खेल रही बच्ची को कुत्ते ने काटा

दो साल की निर्मला होटल के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान एक कुत्ते ने उसके गले और होंठ पर काट लिया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगाया गया। बच्ची को एंटी रेबीज के तीन डोज भी दिए गए, लेकिन दो दिन पहले उसकी तबीयत बिगड़ने लगी।

इसके बाद गुरुवार को बच्ची को मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

10 दिनों में दूसरी मौत

पिछले 10 दिनों में कुत्ते के काटने से रेबीज फैलने से यह दूसरी मौत है। इससे पहले सूरजपुर जिले के ओड़गी ब्लॉक के मोहरसोप निवासी संत कुमार के साढ़े तीन साल के बेटे को 1 अक्टूबर को कुत्ते ने काट लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए मोहरसोप प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) लेकर पहुंचे थे। वहां से उसे जिला अस्पताल सूरजपुर रेफर किया गया था।



इसके बाद परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर रामानुज विश्वकर्मा से उसका इलाज कराया। इस दौरान बच्चे की तबीयत लगातार बिगड़ती गई और आखिरकार 17 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई।

वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. सीके मिश्रा ने बताया कि कुत्ते के काटने के तुरंत बाद एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवाना जरूरी है। इससे रेबीज का वायरस फैलने से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि एक बार शरीर में रेबीज का वायरस फैलने के बाद इसका इलाज संभव नहीं है।

दीपावली से पहले जशपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई तेज

13 फर्मों का निरीक्षण और 8 खाद्य नमूने जांच के लिए भेजे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। दीपावली पर्व के दौरान मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में सघन जांच अभियान चलाया है। अब तक 13 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर मिठाइयों सहित कुल 8 खाद्य नमूने संकलित किए गए हैं। इन नमूनों को गुणवत्ता जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

विभाग की टीम ने कुनकुरी, जशपुरनगर, बगीचा रोड और आसपास के क्षेत्रों में स्थित मिठाई दुकानों, डेयरी, बेकरी, रेस्टोरेंट और खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पेठा, सोनपापड़ी, गुड़ रसगुल्ला, चमचम, खोवा पेड़ा, बेसन लड्डू, मगज बूंदी लड्डू और काला गुलाबजामुन के नमूने लिए गए।



दूध डेयरी के पनीर और खोवा में मिला सीसा

खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार विगत माह जशपुर के बनिया टोली स्थित अरुण दूध डेयरी से पनीर और खोवा के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए थे। प्रयोगशाला जांच में दोनों नमूनों में लेड (सीसा) धातु की उपस्थिति पाई गई। इसके आधार पर दोनों खाद्य नमूनों को असुरक्षित घोषित किया गया है। मामले में विभागीय विवेचना जारी है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने बताया कि दीपावली के साथ आगामी क्रिसमस पर्व को देखते हुए भी जांच और निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना और मिलावटखोरी पर नियंत्रण करना है।



ताला तोड़कर घर में घुसा चोर, अलमारी से 70 हजार के सोने के कर्णफूल पार; चंद घंटों में गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले के बागबहार थाना क्षेत्र के ग्राम डूमरबहार में घर का ताला तोड़कर सोने के जेवर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से करीब 70 हजार रुपये कीमत के सोने के एक जोड़ी कर्णफूल बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, 3 नवंबर की रात प्रार्थी ललिता यादव के माता-पिता खाना खाने के बाद दुकान में सोने चले गए थे। रात करीब 10:30 बजे जब ललिता घर पहुंचा तो दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर अलमारी खुली थी और सामान बिखरा पड़ा था। जांच में अलमारी में रखे सोने के कर्णफूल गायब मिले। प्रार्थी ने गांव के शंकर भगत पर संदेह जताते हुए 4 नवंबर को बागबहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने संदेह के आधार पर शंकर भगत (34 वर्ष), निवासी ग्राम डूमरबहार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने घर का ताला तोड़कर चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी गए करीब 70 हजार रुपये के सोने के कर्णफूल बरामद कर जब्त कर लिए।

आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 109/26, धारा 331(3), 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सुनील सिंह, प्रधान आरक्षक विरेन्द्र सनमानी, आरक्षक पवन पैंकरा, सुरेश कुमार नाग एवं सैनिक राकेश भगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



विधिक सेवा दिवस से पहले जशपुर के स्कूल में जागरूकता शिविर, विद्यार्थियों को बताए अधिकार और कानूनी प्रावधान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कड़ी में जशपुर के श्री महावीर दिगंबर जैन हाईस्कूल में 5 नवंबर को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों और विधिक सहायता से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई।

शिविर में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश जनार्दन खरे ने विद्यार्थियों को विधिक सेवा दिवस के महत्व और उद्देश्यों से अवगत कराया। उन्होंने निःशुल्क विधिक सहायता, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, बाल अधिकार, बाल संरक्षण और शिक्षा के अधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी।

इस दौरान महिला सुरक्षा तथा राष्ट्रीय और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के तत्वावधान में 9 नवंबर 2026 को जिला एवं तालुका स्तर पर विधिक सेवा दिवस का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय की पाती पाकर भावुक हुए युवा लोककलाकार प्रांजल सिंह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

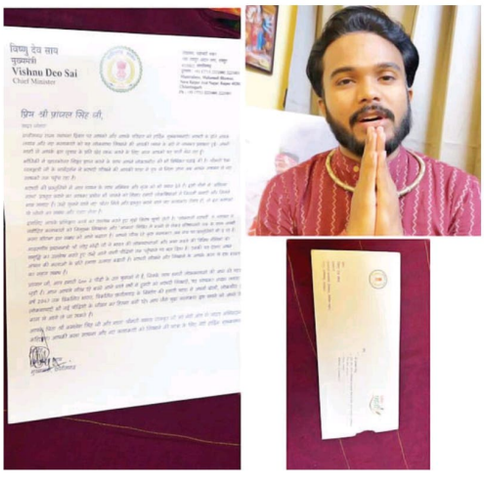
रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोककला और संस्कृति को सहेजने तथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए समर्पित रायपुर के युवा लोककलाकार श्री प्रांजल सिंह राजपूत के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पाती खुशियों की सौगात लेकर आई। मुख्यमंत्री ने प्रांजल को पत्र लिखकर उनकी कला साधना, शिक्षा और भरथरी लोकगायन के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयासों की सराहना की है।

मुख्यमंत्री का स्नेहभरा पत्र प्राप्त होने से प्रांजल सिंह भावुक हो उठे। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, "मुख्यमंत्री जी की पाती मिलना मेरे लिए बहुत ही भावुक और गौरव का क्षण है। उन्होंने मेरे कार्यों और शिक्षा को सराहा है। आज उनका पत्र पाकर मन गदगद हो गया। यह मेरे जीवन का अविस्मरणीय पल है। मुख्यमंत्री जी का यह स्नेह और प्रोत्साहन मुझे अपनी लोककला को आगे बढ़ाने के लिए नई ऊर्जा देगा।"

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि प्रांजल सिंह ने भौतिकी में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त करने के साथ ही लोकसंगीत की विभिन्न विधाओं का अध्ययन किया है। श्रीमती रेखा जलक्षत्री के मार्गदर्शन में भरथरी सीखने की उनकी यात्रा अब नए साधकों तक पहुंच रही है। भरथरी की प्रस्तुतियों में प्रांजल गायन के साथ अभिनय और नृत्य को भी स्थान देते हैं। उन्होंने 'अहिल्या गाथा की प्रस्तुति के माध्यम से लोकविधाओं में नए प्रयोग किए हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रांजल के प्रशिक्षण कार्यों की विशेष सराहना करते हुए कहा कि वे 'लोकगाथा भरथरी के माध्यम से नवोदित कलाकारों को निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। साथ ही 'आकार शिविर में बच्चों से लेकर वरिष्ठजनों तक को अपनी कला बांट रहे हैं। उनके द्वारा प्रशिक्षित कलाकार अब मंचों पर प्रस्तुतियां देकर इस सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की लोकपरंपराओं और कथावाचन की विविध शैलियों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के आह्वान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भरथरी सीखने और सिखाने का प्रांजल का कार्य इसी भावना से जुड़ा हुआ है।



सहमति के बाद भी संपत्ति गिरवी रखने की शर्त बरकरार: जल्द मांग पूरी करने CGDF ने स्वास्थ्य मंत्री और हेल्थ सेक्रेटरी को लिखा पत्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

छत्तीसगढ़ में चिकित्सकों की लंबित मांगों पर सरकार की सहमति के बावजूद अब तक विभागीय आदेश जारी नहीं हुए हैं। इसे लेकर छत्तीसगढ़ डॉक्टर्स फेडरेशन (CGDF) और जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (JDA) ने स्वास्थ्य मंत्री को दोबारा पत्र लिखकर जल्द कार्रवाई की मांग की है।

फेडरेशन का कहना है कि इन मांगों पर पहले ही सहमति और अनुमोदन मिल चुका है, लेकिन विभागीय स्तर पर प्रक्रिया पूरी नहीं होने से चिकित्सकों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

फेडरेशन ने उच्च शिक्षा के लिए NOC की प्रक्रिया आसान करने, बॉन्डेड MBBS और PG चिकित्सकों का मानदेय बढ़ाने और PG करने के बाद नियमित चिकित्सकों को उनकी विशेषज्ञता के अनुसार विभाग देने की मांग की है।

NOC के लिए संपत्ति गिरवी रखने की शर्त खत्म करने की मांग

चिकित्सकों को PG और अन्य उच्च शिक्षा के लिए NOC लेने के दौरान संपत्ति गिरवी रखने की अनिवार्यता से छूट देने की मांग की गई है। CGDF का कहना है कि दूसरे राज्यों की तरह यहां भी केवल शपथ-पत्र (एफिडेविट) के आधार पर NOC देने की व्यवस्था लागू होनी चाहिए। इससे चिकित्सकों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक और कानूनी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा।



बॉन्डेड MBBS डॉक्टरों का मानदेय 70 हजार करने पर सहमति

सामान्य क्षेत्र में सेवाएं देने वाले बॉन्डेड MBBS चिकित्सकों का मानदेय 70 हजार रुपए प्रतिमाह करने पर पहले सहमति बन चुकी है। इसके बावजूद अब तक आदेश जारी नहीं हुआ है। फेडरेशन ने जल्द आदेश जारी कर बढ़े हुए मानदेय का लाभ देने की मांग की है।

PG के बाद विशेषज्ञता के अनुसार विभाग देने की मांग

सरकारी मेडिकल कॉलेजों के ऐसे नियमित चिकित्सक, जो अध्ययन अवकाश लेकर PG (MD/MS) की पढ़ाई पूरी कर लौटे हैं, उन्हें उनकी विशेषज्ञता के अनुसार विभाग नहीं दिया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, कोई डॉक्टर PG से पहले रेडियोलॉजी विभाग में काम कर रहा था और उसने सर्जरी में PG की डिग्री हासिल की है, तो उसे सर्जरी विभाग में पदस्थ किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

CGDF का कहना है कि इससे डॉक्टरों की विशेषज्ञता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है। शासन ने जिन चिकित्सकों को उच्च शिक्षा के लिए अध्ययन अवकाश दिया, उनकी नई विशेषज्ञता का लाभ मरीजों और मेडिकल कॉलेजों को भी नहीं मिल रहा है। इसलिए PG की पढ़ाई पूरी करने वाले नियमित चिकित्सकों को उनके विषय के अनुसार विभाग देने का आदेश जारी किया जाए।

मांगों पर आदेश जारी करना जरूरी: JDA

JDA रायपुर के अध्यक्ष डॉ. पीयूष ने कहा कि चिकित्सक प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। उनकी जायज मांगों पर केवल सहमति देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय पर विभागीय आदेश जारी करना भी जरूरी है। मांगें लंबे समय से लंबित रहने से चिकित्सकों के शैक्षणिक अवसर, आर्थिक हित और भविष्य प्रभावित हो रहे हैं।

वहीं, JDA छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. रेशम सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री से सभी लंबित विषयों पर जल्द विभागीय कार्रवाई पूरी कर आदेश जारी करने का आग्रह किया है।

PG डॉक्टरों के मानदेय में 2 हजार रुपए की विसंगति दूर करने की मांग

अनुबंधित PG (MD/MS) चिकित्सकों के मानदेय में भी विसंगति दूर करने की मांग की गई है। फेडरेशन के अनुसार, PG तृतीय वर्ष के चिकित्सकों को मिलने वाले मानदेय से 2 हजार रुपए अधिक यानी करीब 95 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित करने पर सहमति दी गई थी। इस पर भी अब तक आदेश जारी नहीं हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित। संपादक - लक्ष्मण सिंह